सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 9 • अंकः 245 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, गुरुवार, 12 अक्टूबर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

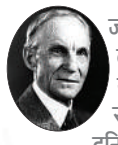

जो कोई भी सीखना छोड़ देता है वो बूढ़ा है, चाहे वो बीस का हो या अस्सी का। जो कोई भी सीखता रहता है वो जवान है। दुनिया की सबसे महान चीज है अपने दिमाग को युवा बनाये रखना।
-हेनरी फोर्ड

जिद...सच की

रोहित के कमाल से भारत की... 7 | मप्र में बजी चुनावी रणभेरी, नेताओं... 3 | आवाज दबाकर नाकामी छिपाना... 2

धीरे-धीरे लोगों के अधिकार छीन रही भाजपा सरकार : प्रियंका गांधी

- मप्र में जनाक्रोश रैली में पीएम मोदी को घेरा
- बोलीं- कांग्रेस ने देश को दी मजबूती
- विरोध करने पर गोलियां बरसाई जा रहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश में दौरे पर पहुंची कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने भाजपा की मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी गुरुवार को चुनावी राज्य मध्य प्रदेश के मंडला में जन आक्रोश रैली को संबोधित किया। प्रियंका ने कहा कि कांग्रेस की परंपरा देखिए-वनाधिकार कानून आपके लिए लाया गया ताकि वनों पर पहला अधिकार आपका हो, क्योंकि यही आपकी संस्कृति है। इसे संरक्षित और मजबूत करने के लिए आपको वन अधिकार कानून दिया गया। यहां जो भी राजनीतिक नेता आता है वह तीन शब्दों का प्रयोग करता है- जल, जंगल, जमीन।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि जितने भी अधिकार कांग्रेस ने लोगों को दिए और उनकी मजबूती के लिए जो-जो काम किए भाजपा ने एक-एक कर सारे अधिकार छीन लिए। आज सरपंचों के अधिकारों में कटौती है, मनरेगा को लागू ही नहीं किया, पलायन और बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि गांव में रोजगार नहीं मिल रहा है। लोगों की जमीन छीनी जा रही हैं। फसल के सही दाम नहीं मिलते। विरोध करने पर गोलियां बरसाई जाती हैं। वन का अधिकार खत्म कर दिया। कमलनाथ जी ने पट्टे दिए थे वो काम भी भाजपा सरकार ने रोक दिया।

रोजगार न होने से पलायन बढ़ा

प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने आपको जो भी अधिकार दिए थे और आपको सशक्त बनाने के लिए जो भी काम किए थे, बीजेपी के सत्ता में आने पर वो सब आपसे छीन लिए गए। मनरेगा लागू नहीं किया गया। गांवों में रोजगार के अवसर नहीं होने के कारण पलायन बढ़ गया है। आपकी जमीन छीनी जा रही है। आपको अपनी उपज का सही दाम नहीं दिया जाता है। जब आप आंदोलन करते हैं तो आप पर गोलियां चलाई जाती हैं।

6 साल में बेरोजगारी दर सबसे निचले स्तर पर : मोदी

उत्तराखंड दौरे पर पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- भारत में बेरोजगारी दर पिछले छह सालों में सबसे निचले स्तर पर है। उन्होंने राज्य को कई सौगात दी है। इस अवसर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के वीर सपूतों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय सीमा से सटे गुंजी गांव में लोगों से मुलाकात की। छोटे-छोटे बच्चों से लेकर महिलाओं से पीएम मोदी ने बातचीत की। इस दौरान एक बुजुर्ग महिला ने पीएम मोदी के सिर पर हाथ फेरते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया।

मप्र को शिवराज सरकार 18 साल से लूट रही

इस दौरान उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि लोग रोजगार के लिए राज्य छोड़ रहे हैं और वे यहां आपके लिए रोजगार के अवसर पैदा नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा 18 साल से सत्ता में है और रोजगार के अवसर पैदा नहीं हुए, वे केवल लूट में व्यस्त हैं और हर जगह घोटाले हो रहे हैं। और वे चुनाव के समय अप्रासंगिक विषय लाते हैं जो लोगों के लिए भावनात्मक होते हैं। कांग्रेस पार्टी की परंपरा और सिद्धांत रहा है। हम चाहते हैं कि देश की, राज्य की, आपके जिले की संपत्ति आपके हाथ में हो। हम चाहते हैं कि आप सशक्त बनें, आपको अपनी शक्ति मिले। जब आप विभिन्न पार्टियों के चुनावी भाषण सुनते हैं तो एक बात सोचते हैं - क्या वे आपकी सत्ता आपके हाथों में दे देंगे?

बढ़ रहा महिलाओं के प्रति अत्याचार

रैली में वायरल वीडियो के बारे में बोलते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि आपने वायरल वीडियो देखे होंगे। देश में लड़कियों के लापता होने के सबसे ज्यादा मामले मध्य प्रदेश में सामने आए हैं। भाजपा से शासन में 1.5 लाख महिलाएं और लड़कियां गायब हुई हैं। प्रतिदिन 17 बलात्कार की घटनाएं होती हैं, उज्जैन की घटना तो आपने देखी ही होगी। आदिवासियों पर अत्याचार के मामले में मध्य प्रदेश देश का अग्रणी राज्य है। यहां हालात कठिन होते जा रहे हैं।

गंगाजल पर जीएसटी लूट और पाखंड की पराकाष्ठा : खरगे

कांग्रेस ने गंगाजल पर कथित तौर पर 18 प्रतिशत माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाने के लिए गुरुवार को को मोदी सरकार की आलोचना की और इसे लूट और पाखंड की पराकाष्ठा करार दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुरुवार के उत्तराखंड के एक दिवसीय दौरे के बीच कांग्रेस ने यह भी सवाल किया कि वह हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा कब करेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ट्विटर (अब एक्स) पर एक पोस्ट में कहा, मोदी जी, मोक्ष प्रदाता मां गंगा का महत्व एक आम भारतीय के लिए जन्म से लेकर जीवन के अंत तक बहुत अधिक है। यह अच्छा है कि आप आज उत्तराखंड में हैं, लेकिन आपकी सरकार ने पवित्र गंगा जल पर ही 18प्रतिशत जीएसटी लगा दिया है। आपने एक बार भी नहीं सोचा कि उन लोगों पर क्या असर पड़ेगा जो अपने घरों में गंगाजल रखने इसे ऑर्डर देकर मंगाते हैं। यह आपकी सरकार की लूट और पाखंड की पराकाष्ठा है।

लोहिया जी के सिद्धांत से देश को मिल सकती है दिशा : अखिलेश

- पुण्यतिथि पर लोहिया जी को अर्पित किया पुष्प

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख ने कहा कि समाज को और देश को कोई दिशा दे सकता है आज की परिस्थितियों में तो वही सिद्धांत जो डॉ राम मनोहर लोहिया जी ने दिए। जो शोषित हैं, वंचित हैं, पीड़ित हैं, जिन्हें समाज में अभी भी वो हक और सम्मान नहीं मिला, उनके लिए डॉ लोहिया जी ने, नेता जी ने अपना पूरा जीवन लगाया और उन्हीं के समाजवादी सिद्धांतों को लेकर हम लोग आगे बढ़ रहे हैं।

अखिलेश यादव लखनऊ में डॉ राममनोहर लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण अर्पित करने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डॉ लोहिया जी ने वो रास्ता दिखाया जो आज भी प्रासंगिक है। आज भी अगर हम उस रास्ते पर चलें, उन सिद्धांतों पर चलें तो समाज की तमाम समस्याओं का समाधान हो सकता है। गैर बराबरी कोई खत्म कर सकता है तो लोहिया जी के सिद्धांत और नेताजी का संघर्ष, उसी का संकल्प हर साल हम लोग लेते हैं।

फोटोः सुमित कुमार

जाति जनगणना से समाज जुड़ेगा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जाति जनगणना होने से समाज जुड़ेगा। जिन जाति के लोगों को अभी तक उनका हक और सम्मान नहीं मिला है उन्हें उनका हक मिलेगा। इससे पता चल सकेगा कि कौन सी जातियां विकास में पीछे छूट गई हैं। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना जरूरी है। इससे उन्हें वो हक मिलेगा जिसकी बात बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर करते थे। अखिलेश यादव बृहस्पतिवार को लखनऊ में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

बीजेपी का सफाया होता जा रहा

इंडिया गठबंधन पर बोलते हुए अखिलेश ने कहा कि जब साथ आने की बात हो गई, गठबंधन की बात हो गई तो सीटों का भी मसला कोई बड़ा नहीं है। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी को घबराहट है कि बीजेपी का सफाया होता जा रहा है। लोकनायक जयप्रकाश जी की प्रतिमा को इस तरह से ढकना, टीन शेड लगाना, गेट पर ताला लगा देना, क्या नियत थी इनकी, क्या छिपाना चाहते थें? डॉ. राम मनोहर लोहिया का जन्म 1910 में हुआ था। लोहिया एक स्वतंत्रता सेनानी और गांधीवादी विचारों को मानने वाले थे। उन्होंने वंचित समुदायों के राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए भी काम किया और कांग्रेस के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करने का काम भी किया। 12 अक्टूबर 1967 को उनका निधन हो गया था।

आवाज दबाकर नाकामी छिपाना चाहती है सरकार : अखिलेश

» भाजपा, सपा का रास्ता नहीं रोक सकती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि वा जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर हर वर्ष माल्यार्पण के लिए आते हैं। जब लोकतंत्र में लोकनायक के माल्यार्पण के लिए बाधाएं खड़ी की जाएं, तो लोकतंत्र किस काम का। भाजपा, सपा का रास्ता नहीं रोक सकती। अखिलेश ने कहा कि सरकार बताए कि आवाज दबाकर कौन सी नाकामी छिपा रहे हैं। पता नहीं सरकार, गेट में ताला डालकर क्या बताना चाहती है। सच यह है कि भाजपा जेपी आंदोलन की स्मृति दोहराने से डर रही है।

अखिलेश ने कहा कि जनता की ताकत के आगे सरकार की ताकत का कोई असर नहीं होता। पुलिस लगाकर हमें रोक रहे हैं। अधिकारी यह बताने को तैयार नहीं कि किसके आदेश से रोक रहे हैं। जेपीएनआईसी के रूप में एक ऐसा संग्रहालय बनाया है, जिससे लोग प्रेरणा ले सकते हैं। लोकतंत्र में कैसे आवाज उठाई जा सकती है, यह सीख सकते हैं। अगर जेपीएनआईसी का काम पूरा हो जाता तो दुनिया में पहचान बनती। आज हालात ऐसे हैं कि देश की जनता को एक बार फिर इस सरकार की ताकत के खिलाफ लड़ना होगा। संपूर्ण क्रांति के जरिये समाजवादी मिलकर संविधान और लोकतंत्र बचाएंगे। याद रखना कि जिस दिन बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के दिए संविधान को यह बदलने में सफल हुए, उस दिन हमारी आजादी भी छीन लेंगे। यादव के द्वारा गेट फांदकर कैंपस में घुसने और जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने की तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हैं। ज्ञात हो कि अखिलेश यादव सुबह करीब 11:30 बजे लोक जागरण रथ में सवार होकर जय प्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) पहुंचे। उनके साथ ही बड़ी तादाद में समर्थक भी वहां आ गए। जेपीएनआईसी के गेट पर ताला पड़ा था। साथ ही टिन की चादरों की बैरिकेडिंग भी थी। कुछ समर्थकों ने गेट को हिलाकर इसे खोलने की कोशिश भी की। अखिलेश रथ से नीचे उतरे और बंद गेट पर चढ़कर अंदर चले गए। उनके साथ ही कुछ समर्थक भी गेट कूदकर अंदर चले गए। हालांकि, अखिलेश के अंदर जाने के बाद पुलिस ने तमाम सपाइयों को अंदर जाने से रोका।

नौटंकी करने गए थे अखिलेश : केशव

यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को लोकनायक जयप्रकाश की जयंती मनाने का नैतिक अधिकार नहीं है। वो उसी कांग्रेस की गोद में बैठे हैं जिसने देश में आपातकाल थोपकर लोकतंत्र को खत्म करने का प्रयास किया। जब उन्हें जेपीएनआईसी के अंदर जाने की अनुमति नहीं थी तो वो वहां क्या करने गए थे? उन्हें नहीं जाना चाहिए था पर वो मीडिया कवरेज चाहते थे इसलिए नौटंकी करने गए थे। डिप्टी सीएम ने कहा कि अखिलेश यादव सत्ता के बिना बेचैन हो गए हैं। राज्य की सत्ता उनके हाथ से निकल गई है और केंद्र की सत्ता आनी नहीं है। अब सत्ता के लिए लोकतंत्र को खत्म करने का प्रयास करने वाली कांग्रेस की गोद में बैठ गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने आपातकाल के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। इसी तरह इस बार भी कांग्रेस को उखाड़कर फेंक देगी। इस तरह की हरकतों से कुछ नहीं होने वाला है।

बीजेपी हाईकमान अंधा-बहरा-तानाशाह : लक्ष्मीनारायण

» चौथी सूची में भी नाम नहीं होने से सागर के पूर्व सांसद नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सागर। भाजपा की चौथी लिस्ट आने के बाद के नेताओं की बगावत-नाराजगी देखने को मिलने लगी है। टिकट कट जाने से कुछ नेता संगठन के खिलाफ खुलकर तो कुछ मन में विरोध पाले हुए हैं, हालांकि चुनाव में अभी एक महीने का वक्त और है, इस बीच कई और बगावती चेहरे अपनी ही पार्टी के खिलाफ आवाज उठा सकते हैं। ऐसे ही एक नेता सागर की बंडा विधानसभा से अपने बेटे को टिकट मांग रहे पूर्व सांसद लक्ष्मीनारायण यादव नाराज हैं।

पूर्व सांसद लक्ष्मीनारायण यादव और बंडा से दावेदारी कर रहे उनके बेटे सुधीर यादव ने निवास पर एक बैठक बुलाई, जिसमें पूर्व सांसद लक्ष्मीनारायण यादव ने मीडिया से चर्चा करते हुए भारतीय जनता पार्टी के आलाकमान पर निशाना साधा है। उन्होंने मीडिया के सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि भाजपा का हाईकमान अंधा-बहरा और तानाशाह है।

फिलस्तीनियों पर क्रूरता का नतीजा है हमास-इजराइल युद्ध : रहमानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने हमास और इजराइल के बीच छिड़े युद्ध को फिलस्तीनी जनता पर इजराइल की क्रूरता और विश्वसनीयता का नतीजा बताया है। बोर्ड ने युद्ध में बेगुनाहों के मारे जाने पर दुख जताया। बोर्ड ने इजराइल को जुल्म और अत्याचार के बल पर फलस्तीन की जमीन हड़पने वाला देश बताया।

बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने बयान जारी कर कहा कि हमास की मौजूदा कार्रवाई फलस्तीनी जनता के साथ किए जा रहे जुल्म और मस्जिद अल-अक्सा की बेहुरमती (अपमान) की स्वाभाविक प्रतिक्रि या है। इस प्रतिक्रि या को आतंकवाद कहना उत्पीड़न और जुल्म करने वालों को ताकत पहुंचाना और पीड़ितों के साथ अन्याय करना है।

इजराइल-फिलस्तीनी विवाद का बातचीत से हो हल

ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम समाज ने इजराइल और फलस्तीन के बीच चल रहे युद्ध में आम नागरिकों के मारे जाने पर दुख जताया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष परवेज हनीफ ने कहा कि हम किसी भी प्रकार की हिंसा का समर्थन नहीं करते हैं। उन्होंने पूरे विवाद को बातचीत के जरिए हल करने की हिमायत की। उन्होंने कहा कि ये पूरा मामला अंतर्राष्ट्रीय स्तर का है, इसलिये भारत सरकार की जो भी रणनीति होगी, उनका संगठन उसका समर्थन करेगा।

बसपा को कमजोर दिखाने की हो रही साजिश

» मायावती ने कहा- इंडिया गठबंधन में शामिल होने की खबरें निराधार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि न तो वह इंडिया गठबंधन शामिल हो रही है न ही कोई आसार हैं। यूपी पूर्व सीएम ने कहा ये खबरें निराधार है। वहीं बसपा प्रमुख ने समाजवादी पार्टी पर जोरदार हमला किया है। जारी अपने बयान में बसपा सुप्रीमो ने बसपा के खिलाफ हो रही घृणित राजनीति में सपा के भी शामिल होने का आरोप लगाया।

जानकारों के मुताबिक बसपा के इंडिया गठबंधन में शामिल होने को लेकर लग रहे कयास मायावती की नाराजगी का सबब बन चुका है। दरअसल, इसका मकसद बसपा को कमजोर दर्शाना है और सपा को उसके मुकाबले लोकसभा चुनाव में ज्यादा मजबूत स्थिति में पेश करना है। बसपा सुप्रीमो बीते कई महीनों से लगातार यूपी में अकेले दम पर लोकसभा चुनाव लड़ने का संदेश देती रही हैं ताकि उनका वोट बैंक इसे लेकर किसी संशय में न रहे। वहीं दूसरी ओर बसपा खुद को लोकसभा चुनाव में भाजपा का सबसे प्रबल प्रतिद्वंदी मान रही है। इसकी वजह सपा के मुकाबले उसके अधिक सांसद होना है। बसपा ने हाल ही में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में गोण्डवाना गणतंत्र पार्टी के साथ गठबंधन का एलान तो किया, हालांकि राजस्थान और तेलंगाना में अकेले ही चुनाव लड़ने जा रही है। बसपा की इस रणनीति से साफ है कि पार्टी लोकसभा चुनाव में किसी भी बड़े दल के साथ समझौता करने के बजाय खुद चुनावी समर में अपनी ताकत को आजमाना चाहती है।

सपा कर रही घृणित राजनीति

बसपा की मुखिया ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव का नाम लेते हुए कहा कि बसपा के इंडिया गठबंधन में शामिल होने के लिए मुलाकात का दावा निराधार है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सपा काफी बदहाल स्थिति में है। वह भी उस घृणित राजनीति का हिस्सा है, जो बसपा के खिलाफ लगातार सक्रिय है।

प्रदेश में महिलाएं अब सुरक्षित नहीं : अजय

» कानून-व्यवस्था में नाकाम साबित हुई योगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार में पुलिस का इकबाल पूरी तरह से समाप्त हो चुका है। प्रदेश की आधी आबादी डर और असुरक्षा के साये में अपना जीवन व्यतीत करने को मजबूर है। मुख्यमंत्री की नाक के नीचे अति सुरक्षित क्षेत्र में महिला के साथ दुष्कर्म की घटना सरकार के माथे पर कलंक है।

जारी बयान में उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं के विरुद्ध हो रहे अपराधों को रोकने में पूरी तरह से नाकाम है। राजधानी लखनऊ में विधानसभा से महज चंद कदमों की दूरी दारूलशफा पर कौशाम्बी से न्याय मांगने आई महिला मुख्यमंत्री से न मिल पाने के कारण धरने पर बैठी, न्याय मिलना तो दूर उसके साथ दुष्कर्म जैसी घटना घटित हो गई। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था की इससे भयावह तस्वीर और भला क्या हो सकती है? इसी तरह बरेली में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सीबीगंज इलाके में मनचलों ने कोचिंग से लौट रही एक छात्रा को चलती ट्रेन के आगे फेंक दिया जिससे छात्रा बुरी तरह जख्मी हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा प्रदेश की जनता को सुरक्षा देने में प्रदेश सरकार पूरी तरह से विफल हो चुकी है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं का नारा देने वाली भाजपा सरकार आज बेटियों की सुरक्षा करने में पूरी तरह से नाकाम है। कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में आयोजित समारोह में लोक जननायक डॉ. जयप्रकाश नारायण की जयंती मनाई गई। उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। इस दौरान डॉ सीपी राय, डॉ. हिलाल अहमद नकवी, डॉ. सुधा मिश्रा, वीरेन्द्र मदान, राजेश सिंह काली, प्रभाकर मिश्रा, नितान्त सिंह, डॉ. रिचा शर्मा, आशीष अवस्थी, दिनेश सिंह यादव, विवेक सिंह तन्हा आदि मौजूद रहे।

पवन खेड़ा पहुंचे कोर्ट आरोपों से मुक्त करने की दाखिल की अर्जी

लखनऊ। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा को आरोपों से अवमुक्त (डिस्चार्ज) करने की मांग वाली अर्जी सीजेएम कोर्ट में दी गई है। इस दौरान खेड़ा कोर्ट में मौजूद रहे। उन पर प्रेस वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता पर अभद्र टिप्पणी करने का आरोप है। सीजेएम ने अभियोजन को आपत्ति दाखिल करके अपना पक्ष पेश करने और मामले की सुनवाई लिए 20 अक्तूबर की तारीख तय की है। पवन खेड़ा की ओर से अर्जी दाखिल करने वाले वकील सुधांशु त्रिपाठी और प्रवीण कुमार यादव ने कहा कि विवेचना में उनके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं मिला है। गौरतलब है कि भाजपा के महानगर के तत्कालीन अध्यक्ष और एमएलसी मुकेश शर्मा ने 20 फरवरी को मामले की एफआईआर हजरतगंज थाने में दर्ज कराई थी। इसमें कहा था कि दिल्ली में पवन खेड़ा ने प्रेस वार्ता की, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के पिता दामोदर दास के नाम की जगह गौतम दास कहकर उनको अपमानित किया। उनके पिता को गौतम अदाणी से जोड़कर उपहास भी किया। इससे देश की जनता की भावनाओं को ठेस पहुंची है। पुलिस ने मामले की विवेचना के बाद आठ अप्रैल को चार्जशीट दाखिल की थी।

मप्र में बजी चुनावी रणभेरी, नेताओं ने शुरू की तैयारी

भाजपा-कांग्रेस ने बना ली रणनीति | शिवराज-सिंधिया की प्रतिष्ठा दांव पर

» कमलनाथ-दिग्विजय ने भी संभाला मोर्चा
» चुनाव के बाद कांग्रेस से सिंधिया की बगावत, भाजपा को मिला लाभ

4पीएम न्यूज नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश में विधान सभा चुनावों की रणभेरी बज चुकी है। सत्ता में बैठी भाजपा की शिवराज सरकार ने भी कमर कस ली है। उसको सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए कांग्रेस व उनके प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने मोर्चा संभाल लिया है। भाजपा ने अपने दिग्गज नेताओं को मैदान पर उतार दिया है। राज्य में आचार संहिता लग चुका है। नेताओं ने एकदूसरे पर वार पलटवार शुरू कर दिया है। दोनों ही प्रमुख दलों में कई नेता मेहनत कर रहे है और उनकी महत्वाकांक्षा भी बलवान हो रही है। कांग्रेस में वैसे तो कमलनाथ ही सीएम को चेहरा हैं पर भाजपा में मोदी के चेहरे को आगे करके बीजेपी कई नेताओं को दौड़ में ला दिया है।

दरअसल, मध्यप्रदेश में पिछला विधानसभा चुनाव 28 नवंबर 2018 को हुआ था, जबकि नतीजे 11 दिसंबर को आए थे। यह कई मायनों में बेहद रोमांचक रहा था। 230 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस को बहुमत से दो कम 114 सीटें मिलीं थीं। वहीं, भाजपा 109 सीटों पर आ गई। हालांकि, यह भी दिलचस्प था कि भाजपा को 41प्रतिशत वोट मिले जबकि कांग्रेस को 40.9प्रतिशत वोट मिला था। बसपा को दो जबकि अन्य को पांच सीटें मिलीं। नतीजों के बाद कांग्रेस ने बसपा, सपा और अन्य के साथ मिलकर सरकार बनाई। इस तरह से राज्य में 15 साल बाद कांग्रेस के नेतृत्व में सरकार बनी और कमलनाथ मुख्यमंत्री बने।

दिसंबर 2018 में कांग्रेस सरकार बनने के करीब 15 महीने बाद मार्च 2020 को मध्य प्रदेश के सियासी ड्रामा हो गया। 22 सिंधिया समर्थक विधायकों ने पार्टी से बगावत कर ली। इस बीच 10 मार्च 2020 को कांग्रेस के दिग्गज नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया अचानक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मिलने दिल्ली आए। इस मुलाकात के बाद उन्होंने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया। अगले दिन यानी 11 मार्च को सिंधिया ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। विधायकों के लगातार इस्तीफे के बाद कांग्रेस ने यहीं से अपनी हार मान ली और 20 मार्च को दोपहर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अपना इस्तीफा सौंप दिया। अगले दिन 21 मार्च को दिल्ली में जेपी नड्डा की उपस्थिति में विधायकी से इस्तीफा दे चुके सभी 22 बागी भाजपा में शामिल हो गए। इसके साथ ही दोबारा राज्य में भाजपा की सरकार आई गई जिसके मुख्यमंत्री शिवराज सिंह बनाए गए। सरकार गिरने के बाद भी कांग्रेस में इस्तीफे का दौर नहीं थमा। 23 जुलाई 2020 को पार्टी के अन्य तीन विधायकों ने कांग्रेस को अलविदा कह भाजपा का दामन थाम लिया। इसके अलावा, तीन सीटें (जौरा, आगर और ब्यावरा) अपने संबंधित मौजूदा विधायकों के निधन के कारण खाली हो गईं। तीन नवंबर 2020 को सभी 28 खाली सीटों को भरने के लिए उपचुनाव कराया गया। इस उपचुनाव में 28 में से भाजपा को 19 और कांग्रेस को नौ सीटें मिलीं।

आप ने बढ़ाई भाजपा कांग्रेस की मुश्किल

मध्य प्रदेश में आप ने भी अपने प्रत्याशी उतार दिए है। उसने राज्य में दौरे व रैलियां भी शुरू कर दी है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान दो दिवसीय प्रवास पर मंगलवार को रीवा जिले में पहुंचे। रीवा में तकरीबन 800 मीटर के मेगा रोड शो में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री मान का मेगा रोड शो शहर के कॉलेज चौराहे से शुरू हुआ, जो शहर के मुख्य बाजार शिल्पी प्लॉजा में समाप्त हुआ। इस दौरान भगवंत मान ने रीवा सीट से चुनावी मैदान पर उतरे इंजीनियर दीपक सिंह के पक्ष में जनता से वोट देने की अपील की। रोड शो के दौरान सभा को संबोधित करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा और मीडिया से बात करते हुए मान ने कहा, आम आदमी पार्टी की रीवा में चुनावी सभाएं शुरू हो चुकी हैं। इसके पहले मैं और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल रीवा आ चुके हैं। लेकिन आचार संहिता लगने के बाद आज पहला दिन है। प्रदेश की जनता परिवर्तन चाहती है, पिछली बार भी जनता ने परिवर्तन के लिए वोट दिया था, लेकिन परिवर्तन को एक और परिवर्तन में परिवर्तित कर दिया गया। मतलब कांग्रेसियों का ह्रदय परिवर्तन करवाकर उन्हें अपनी तरफ कर लिया तो यह एक तरह से लोकतंत्र की हत्या थी।

पांच साल में हमने जो काम किए हैं, उन मुद्दों को लेकर वह जनता के बीच जाएंगे : गौतम

विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने राहुल गांधी के द्वारा सीधी जिले में दिए गए प्रयोगशाला वाले बयान पर पलटवार किया है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा, अगर हम सनातन धर्म को सही सलामत रखे हैं और अगर इसे आरएसएस की प्रयोगशाला कहते हैं तो यह हमें स्वीकार है। इसके आलावा रीवा में आयोजित पंजाब के सीएम भगवंत मान के रोड शो को लेकर भी तंज कसा। विधानसभा अध्यक्ष ने चुनावी मुद्दों को लेकर कहा, पांच साल में हमने जो काम किए हैं, उन मुद्दों को लेकर वह जनता के बीच जाएंगे। आधार पर एक आने वाली काम की जब हम घोषणा करते हैं तो पिछला वाला काम करके हम यह बताना चाहते हैं कि हम घोषणा करने के बाद अमल करते हैं तो जनता हम पर विश्वास करती है कि हमने जो घोषणाएं की हैं, उसे पूरा किया है। एक नहीं दोनों मुद्दे होते हैं, हमने जो काम किया है और जो भविष्य में काम करेंगे, उसको लेकर हम जनता के बीच जाएंगे। दरअसल, राहुल गांधी मंगलवार को विंध्य के दौरे पर रहे और वह चुनावी सभा को संबोधित करने शहडोल जिले के ब्यौहारी पहुंचे थे। इस दौरान राहुल गांधी ने बयान देते हुए कहा था कि बीजेपी-आरएसएस की प्रयोगशाला गुजरात नहीं मध्यप्रदेश है। क्योंकि यहां घोटालों के सारे प्रयोग किए गए हैं। गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने कहा, सनातन धर्म को हम अगर सही सलामत रखें और अगर इसे प्रयोगशाला कहा जाता है तो हम इसको स्वीकार करते हैं कि हम प्रयोगशाला में हैं। सनातन धर्म पर हमला करने वालों को यदि ऐसा माना जाए कि वो विकास के पुरोधा हैं तो ऐसा विकास हमें नहीं चाहिए। हमारा सनातन भी चाहिए, हमारा धर्म भी चाहिए। हमारी आस्था भी चाहिए हमें, क्षेत्र और प्रदेश का विकास भी चाहिए। सारी चीजों को एक सामान जैसा बैठाकर हमें काम करने की आवश्यकता है, हम इस विचार धारा के हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के रोड शो को लेकर विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने कहा, लोकतंत्र का यही तो पर्व है, जिसमें सबको शामिल होना गंगा नदी में जब महाकुंभ का आयोजन होता है और हम गंगा के भीतर स्नान करने जाते तो क्या किसी को रोका जाता है। चुनाव लोकतंत्र का पर्व है, इसमें सबको आने का और दो डुबकी लगाने का अधिकार है। अब वह गंगा मैया की कृपा है कि किसको आशीर्वाद देती हैं, किसको नहीं देती हैं तो डुबकी लगाने दीजिए, वो भी आएंगे सब आएंगे और डुबकी लगाएंगे।

मध्यप्रदेश में विधायकों को बिकने के लिए नहीं मिलेगी जगह : मान

मुख्यमंत्री भगवंत मान बोले, पांच साल में लोगों के पास एक बार मौका आता है तो मध्यप्रदेश की जनता बड़े सब्र के साथ उस दिन का इंतजार कर रही है। 17 नवंबर के दिन जब मध्यप्रदेश की जनता वोट देने जाएगी तो जिस तरह से दिल्ली और पंजाब में बड़ा परिवर्तन हुआ है, मध्यप्रदेश की जनता भी इस बार ऐसा परिवर्तन करेगी कि विधायकों को बिकने के लिए और और इधर-उधर ह्रदय परिवर्तन करने की जगह नहीं मिलेगी। भगवान मान ने कहा कि आज मैं सीधी जिले के चुरहट विधानसभा सीट और रीवा के विधानसभा में सीट में कैपेन करने आया हूं। आने वाले दिनों में भी उनका दौरा मध्यप्रदेश में जारी रहेगा। भगवंत बोले कि पंजाब और दिल्ली का जो शासन है, उसकी अच्छी-अच्छी बातें जो लोगों को महसूस हो रही हैं। जैसे बिजली, पानी, शिक्षा, इलाज और रोजगार ये सब बातें लोगो को बताते रहेंगे। जो ज्योति हमने दिल्ली और पंजाब में जगाई है, वह चिराग हम पूरे देश में जलाएंगे। भगवंत मान ने कहा कि हम वो पत्ते नहीं, जो साख से टूटकर गिर जाएं, आंधियों को कह दो अपनी औकात में रहें, यह हमारे कितने नेताओं को जेल में डालेंगे। संजय सिंह के लिए जेल कोई नई बात नहीं है। संजय सिंह सुल्तानपुर के लोगों की मदद करते थे। वह इनकी तरह नहीं हैं कि एक देश एक दोस्त सिर्फ एक ही बंदे को क्यूंकि संजय सिंह बोलते थे कि मोदी अड़ानी भाई-भाई इसलिए हम कह रहे हैं कि एक देश एक दोस्त एक ही दोस्त पर सब कुछ लुटा दिया तो यह आने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव में भी और मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनाव में जनता इनको ट्रेलर दिखाने वाली है।

शिवराज की विदाई की अटकलें, कईयों की इच्छा जगी

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले ही भाजपा में सीएम पद के दावेदारों की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में चर्चा है कि यदि भाजपा पांचवीं बार चुनाव जीतती है तो मुख्यमंत्री कौन बनेगा? मोटे तौर पर 10 दावेदार सामने आए हैं। भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा चुनाव में तीन केंद्रीय मंत्रियों समेत सात सांसद और एक राष्ट्रीय महासचिव को चुनाव मैदान में उतार दिया है। ये चारों ही मुख्यमंत्री पद की रेस में शामिल हैं। अब भाजपा के वरिष्ठ नेता गोपाल भार्गव का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें वे मुख्यमंत्री बनने की खुलकर इच्छा जता रहे हैं। इसके अलावा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को भी कथित तौर पर सीएम पद का दावेदार बताया जाता रहा है, लेकिन वे इन अटकलों को खारिज करते रहे हैं। सीएम शिवराज के बयानों और केंद्रीय नेतृत्व द्वारा सीएम फेस पर चुप्पी से अटकलों का बाजार गर्म है। भाजपा की सूची में बड़े नाम सामने आने के बाद ऐसी अटकलों को बल भी मिला है। अब ऐसे नेताओं के नाम सीएम की कुर्सी से जोड़े जाने लगे हैं। दावेदारों में अभी पार्टी के चार केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद पटेल, फग्गन सिंह कुलस्ते और ज्योतिरादित्य सिंधिया हैं। साथ ही पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, सीएम शिवराज सिंह चौहान, मंत्री गोपाल भार्गव, सांसद सुमेर सिंह सोलंकी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के नाम हमेशा चर्चा में रहते हैं।

नरेंद्र सिंह तोमर : केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर मुख्यमंत्री पद के लिए भाजपा में प्रबल दावेदार हैं, लेकिन यह तब होगा जब वे मुरैना जिले की दिमनी सीट के साथ साथ आसपास की सीटों पर अपना असर दिखाएंगे। संघ और पार्टी में उनकी अच्छी पकड़ है। हालांकि, उनकी कमजोर कड़ी यह है कि ग्वालियर चंबल के बाहर उनका खास जनाधार नहीं है। साथ ही पार्टी ओबीसी और जातिगत समीकरणों को साधती है तो उनको दावेदारी कमजोर पड़ सकती है।

प्रह्लाद पटेल : नरसिंहपुर से प्रत्याशी प्रह्लाद सिंह पटेल सीएम शिवराज सिंह चौहान के बाद प्रदेश में ओबीसी के सबसे बड़े नेता हैं। साथ ही संगठन और संघ के साथ उनकी अच्छी ट्यूनिंग हैं। वरिष्ठ नेता उमा भारती का उन्हें आशीर्वाद भी प्राप्त है। यदि पार्टी ओबीसी चेहरे पर दांव लगाती है तो उनकी लॉटरी लग सकती है। हालांकि, प्रदेश की राजनीति में वे बहुत ज्यादा सक्रिय नहीं रहे हैं। यह उनका नकारात्मक पक्ष हो सकता है।

कैलाश विजयवर्गीय : भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय इंदौर-1 से प्रत्याशी हैं और भाजपा के फायर ब्रांड नेता हैं। अपने बयानों की वजह से चर्चा में रहते हैं। पश्चिम बंगाल में भाजपा की जड़ें मजबूत करने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई है। इसके साथ ही एमपी में पार्टी के नाराज वरिष्ठों को मनाने में उनका रोल रहा है। प्रदेश की राजनीति से दूर रहे कैलाश की वापसी विधानसभा प्रत्याशी के रूप में हुई है। संगठन के आला नेताओं के करीबी और भरोसेमंद हैं। अपने कद और भविष्य को लेकर अभी से कैलाश इशारा करने लगे हैं। ऐसे में उन्हें भी सीएम पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। हालांकि, इनके बयानों की वजह से पार्टी कई बार असहज हो जाती है। पिछली बार उन्होंने अग्निवीरों को पार्टी ऑफिस में गार्ड की नौकरी देने की बात कह दी थी। इससे बड़ी फजीहत हुई थी। इसके साथ ही पेंशन घोटाले का जिन्न भी इनके पीछे है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया : केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने समर्थक विधायकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। इस वजह से कांग्रेस की सरकार गिर गई और भाजपा ने सत्ता में वापसी की। सिंधिया कुछ ही दिनों में संगठन के करीब पहुंच गए। मोदी कैबिनेट में भी वे अच्छी पोजिशन पर हैं। उनकी देश में अलग पहचान है। हालांकि, उनकी कमजोरी यह है कि उनके आने के बाद भाजपा उनके इलाके में नगरीय निकाय चुनाव में महापौर की दो सीटें हार गई। उनके शामिल होने के बाद भाजपा के पुराने नेताओं में असंतोष बढ़ा। इस वजह से उनकी छवि को भी बढ़ा झटका लगा है।

वीडी शर्मा : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा खजुराहो से सांसद हैं। बेदाग और स्वच्छ छवि के शर्मा संघ के करीबी हैं। ब्राह्मण चेहरा हैं। युवाओं और कार्यकर्ताओं में लोकप्रिय हैं। हालांकि, पार्टी ने पिछले तीन मुख्यमंत्री ओबीसी वर्ग से दिए हैं। पार्टी के जातिगत और क्षेत्रीय समीकरण साधने से शर्मा की दावेदारी कमजोर हो सकती है।

नरोत्तम मिश्रा : प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा शिवराज सरकार में नंबर दो पर बताई जाती है। प्रदेश में बड़े ब्राह्मण नेता है। 2018 में भाजपा चुनाव हार गई थी। इसके बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके समर्थित विधायकों को भाजपा में शामिल कराने ऑपरेशन लोटस चलाया गया था, जिसकी सफलता में नरोत्तम मिश्रा ने अहम रोल निभाया था। हालांकि, मिश्रा का कमजोर पक्ष यह है कि वे अपने बयानों से विवाद में रहते हैं। वहीं, यदि पार्टी जातिगत समीक्षण साधती है तो भी नरोत्तम मिश्रा फिट नहीं बैठते।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

धड़कते दिल वाले भ्रूण को खत्म करना अमानवीय!

भ्रूण को समय से पहले गिराने की मांग वाली याचिका पर दिए गए आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल होल्ड कर दिया है। गौरतलब हो कि एक महिला ने अपने तीसरे बच्चे के अर्बाशन की अनुमति मांगी थी। अदालत ने नाराजगी जताते हुए था कि जब भ्रूण जीवंत था तो उसे खत्म करना क्या ठीक है । फिलहाल कोर्ट ने कोई फैसला नहीं दिया है । पर इस तरह कह मांग एक मां के लिए कठिन होती है। पर परस्थितियों के हिसाब कभी-कभी जब महिला को लगता हे कि वह बच्चे का लालन-पालन नहीं कर पाएगी तो मजबूरी ऐसे कदम उठाती है। सरकारों को भी इस तरह के गंभीर मामलों पर अपना रुख स्पष्ट करना होगा ताकि समाजिक तानाबाना बने रहे। दरअसल, गर्भ को गिरा देने की अनुमति देने वाले सुप्रीम कोर्ट को इस बात से नाराज़गी थी कि एम्स की मेडिकल रिपोर्ट इतनी देर से क्यों दाखिल की गई, और कोर्ट ने यह भी जानना चाहा कि रिपोर्ट पहले क्यों पेश नहीं की गई थी। सरकार की ओर से एक मेडिकल रिपोर्ट पेश किए जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 26 हफ़्ते के गर्भ को गिरा देने की अनुमति देने वाले आदेश को फिलहाल होल्ड पर रख लिया है।

मेडिकल रिपोर्ट में बताया गया था कि भ्रूण जिवंत है, यानी उसमें जीवन के लक्षण दिख रहे हैं, और उसके जीवित रहने की संभावनाएं प्रबल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश को वापस लेने की सरकार की अर्जी पर सुनवाई के दौरान कहा कि वह कोई भी नया आदेश जारी करने से पहले महिला से बात करना चाहती है। जस्टिस हिमा कोहली ने कहा, हमारे आदेश के बाद ही क्यों...? उन्हें इससे पहले क्यों याद नहीं आया...? कौन-सी अदालत है, जो धड़कते दिल वाले भ्रूण को खत्म करना चाहेगी, निश्चित रूप से हम तो नहीं, भगवान के लिए...। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट की एक अन्य बेंच ने इस दंपति को 26-हफ़्ते के गर्भ को गिराने की अनुमति दे दी थी, क्योंकि याचिकाकर्ता का तर्क था कि पहले से दो बच्चों की मां महिला कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और प्रसव के बाद होने वाले डिप्रेशन से पीड़ित है, महिला ने कहा था कि वह आर्थिक, भावनात्मक और सामाजिक रूप से तीसरे बच्चे को पालने की स्थिति में नहीं है, क्योंकि अभी उसकी दूसरी संतान को ही स्तनपान करवाना पड़ता है। यह मामला एक मानवीय दृष्टि से महत्वपूर्ण है। कोर्ट का जब भी फैसला आएगा ऐसा माना जा रहा है कि उचित ही आएगा। जिससे कि आने वाले समय में ऐसे मामले में किसी भी प्रकार की दुविधा न हो। किसी भी संस्था व इन मामलों में निणर्य देने में परेशानी न हो।

सरकारों को भी इस तरह के गंभीर मामलों पर अपना रुख स्पष्ट करना होगा ताकि समाजिक तानाबाना बने रहे। दरअसल, गर्भ को गिरा देने की अनुमति देने वाले सुप्रीम कोर्ट को इस बात से नाराज़गी थी कि एम्स की मेडिकल रिपोर्ट इतनी देर से क्यों दाखिल की गई, और कोर्ट ने यह भी जानना चाहा कि रिपोर्ट पहले क्यों पेश नहीं की गई थी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

उद्यम में निवेश से विकसित हो कर्मशील संस्कृति

सुरेश सेठ

भारतीय शास्त्रों में सर्वमान्य संदेश है, दया धर्म का मूल है। वंचितों, दिव्यांगों, जरूरतमंद लोगों पर दया करके उन्हें अन्न, धन अथवा सामग्री से दान प्रदान करके जो व्यक्ति यह पुण्य कर्म करते हैं, उनका लोक-परलोक सुधर जाता है। सभी देशों में इस तरह की दया को धर्म का मूल माना जाता है। अपने देश के हर चौराहे पर भिखारियों की भीड़ सिग्नल बत्तियों की परवाह किए बगैर वाहनों को घेरे रहती है। बत्ती बदल जाने पर भी उनका पीछा नहीं छूटता और दुर्घटनाओं का कारण बनती है। पिछले दिनों भारत में भिखारियों और दान देने वालों पर जो सर्वेक्षण हुआ, उसमें बताया गया कि सबसे अधिक दान चौराहों पर खड़े भिखारियों में बंटता है और वाहनों में बैठे लोग इस दान को देते हुए आत्मतुष्टि का अनुभव करते हैं।

कानून तोड़ने या दुर्घटनाओं की संभावना बताकर इस बात की कोई परवाह नहीं की जाती। दरअसल, तीसरी दुनिया के गरीब देशों में यह वंचितों और दयनीयों का आग्रह नहीं बल्कि बाकायदा एक व्यवसाय बन गया है। भारत में इन चौराहों पर जब सर्वेक्षण हुआ तो पता चला कि भारत के महानगरों और शहरों के इन चौराहों पर बाकायदा भीख ब्रिगेड बन गई है। भिखारियों के ड्यूटी अनुसार चौराहे बदले भी जाते हैं। भिखारियों और गिरहकटों का चोली-दामन का साथ भी नजर आता है। चौराहे पर आवारा छोकरों के गिरोह कारों की खुली खिड़कियों में से किसी न किसी तरह से छीना-झपटी का जुगाड़ कर लेते हैं। बात पड़ोसी देश पाकिस्तान की करें तो वहां से केवल भुखमरी और दुर्दशा की खबरें ही नहीं आ रही बल्कि भीख मांगने के इस व्यवसाय के अंतर्राष्ट्रीयकरण की खबरें भी आ रही हैं। अभी सितंबर मास के आखिरी दिन पाकिस्तान में 24 भिखारियों को मुल्तान हवाई अड्डे पर सऊदी अरब जाने वाली उड़ान से उतारा गया जो उमरा की धर्मयात्रा करने के बहाने खाड़ी देश जाने की कोशिश कर रहे थे ताकि वहां श्रद्धालुओं से भीख की मारामारी कर सकें। इससे पहले भी एफआईए ने इसी हवाई अड्डे पर सऊदी अरब जाने वाली उड़ान से 11 महिलाओं, चार पुरुषों और एक बच्चे सहित 16 लोगों को उतारा था।

ये धार्मिक यात्रा उमरा का वीजा लेकर जा रहे थे। यह ऐसी यात्रा है जो कभी भी की जा सकती है। जब छानबीन की गई तो पता चला कि भिखारियों के झुंड के झुंड धर्मयात्रा के बहाने भेजे जा रहे हैं और जो यात्रा का मुखौटा ओढ़े ये भिखारी भीख कमाते हैं, उसकी आधी राशि उन्हें एजेंटों को सौंपनी पड़ती है।

पाक में इन लोगों को पासपोर्ट पकड़कर मानव तस्करी रोधी इकाई के पास भेजा गया है। पाकिस्तान की संसद में खुलासा हो गया कि देश के अधिकतर भिखारी गरीबी के कारण भीख मिलने की कमी के चलते गैर-कानूनी तरीके से विदेश भेजे जाते हैं। अभी तक विदेशों में जो भिखारी पकड़े गए हैं, उनमें से 90 प्रतिशत पाकिस्तानी हैं। सऊदी अरब के राजदूत बताते हैं कि इन भिखारियों की गिरफ्तारी की वजह से उनके देशों की जेलें भर गई हैं। वहीं नई सूचना है कि मक्का की मस्जिद अल-रहम से बाहर के जो लोग गिरफ्तार हुए, उनमें अधिकतर जेबकतरे थे। यह अब बाकायदा एक नया व्यवसाय बन गया जिसमें एजेंसियां बेकार और असफल लोगों को भर्ती करके विदेशों के इन धर्मस्थानों पर भेज रही हैं। वहां भीख के बहाने जेबतराशी, छीना-झपटी के धंधे भी पनप रहे हैं। दरअसल, पाकिस्तान के अधिकतर लोग अपनी निरंतर विपन्न होती हुई अर्थव्यवस्था के साथ इस धंधे को अंतर्राष्ट्रीय पैमाने पर इसलिए अपना रहे हैं क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर तो मध्य वर्ग से अब लम्बी-चौड़ी भीख की गुंजाइश नहीं रही। दरअसल, आर्थिक संकट के चलते तीसरी दुनिया के कई मुल्कों को समय पर मदद नहीं मिलती। पाकिस्तान, श्रीलंका ने इसका कटु सबक लिया है। संपन्न देशों से अनुदान मांगो या उदार कर्ज, उनकी ढीली शर्तों की चाह में इसे अनिश्चितकाल तक वापस न करने की इच्छा तो छिपी ही रहती है लेकिन चतुर व्यवसायी संपन्न देश कर्जा वापसी की शर्तों को कभी ढीला नहीं करते। पाकिस्तान और श्रीलंका ने चीन से लिए कर्जे पर नरम शर्तों की मांग करके असफलता पाई है और अपनी अर्थव्यवस्था को रसातल में जाते हुए भी देखा है। इसलिए यह सबक है कि इस भीख मांगने वाली वृत्ति से जितनी जल्दी छुटकारा पाया जा सके, उतना ही अच्छा। भारत का आत्मनिर्भरता की राह पर चल पड़ना इसी वृत्ति से छुटकारा पाने का द्योतक है। लेकिन इससे कहीं बेहतर होगा, अगर सार्थक उद्यम और निवेश नीति के साथ रियायत संस्कृति की जगह कर्म संस्कृति को पैदा किया जाए।

घरेलू उद्योगों और दस्तकारों के लिए लघु और कुटीर उद्योगों का कुछ इस प्रकार विकास किया जाए कि अधिक से अधिक जनसंख्या कर्मशीलता और मेहनत पर निर्भर रहे। इस प्रकार बढ़ती भीख मांगने की प्रवृत्ति से छुटकारा पा सकें। जिसका एक आधुनिक आयाम रियायत संस्कृति भी तो है या लोगों के वोट जुटाने के लिए उनमें रेवड़ियां बांटते चले जाने का तेवर।

मानवीय तबाही को लेकर जवाबदेही का सवाल

डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू

हिजबुल्लाह के दक्षिणपंथी रेडियो अल मानार तथा फ्री वॉयस ऑफ फिलिस्तीन से इस समय जिहाद के नारे तथा मौत के आंकड़े बताए जा रहे हैं। इसी तरह इस्राइल का अखबार टाइम्स ऑफ इस्राइल जिस तरह की तस्वीरों को प्रसारित कर रहा है वे मानवीय इतिहास की ऐसी घटनाएं हैं जो कभी पहले नहीं देखी गई। इस्राइल और फिलिस्तीन के हमास के बीच युद्ध में बेकसूर महिलाओं, बच्चों तथा बूढ़े लोगों की जान चली गई है। फिलिस्तीनी हमास के इस हमले में जिस तरह से मौत का आंकड़ा सामने आ रहा है उसमें यह गाजा का अब तक का सबसे बड़ा हमला है।

इस्राइल-फिलिस्तीन के इस विवाद में मजहब और जमीन को लेकर एक शताब्दी पुरानी युद्ध की विभीषिका जारी है। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर भी इस विवाद को लेकर देश बंटे हुए हैं। कुछ देशों ने हमास के हालिया हमले की निंदा की है और कुछ देश हमास संगठन की वकालत भी कर रहे हैं। लेकिन प्रश्न है कि यहां जो कत्लेआम हो रहा है उसका जिम्मेदार कौन है। खबरों की मानें तो दोनों पक्षों से हजारों लोग मारे गए हैं। फिलिस्तीन के चरमपंथी संगठनों ने पिछले शनिवार को अचानक गाजा पट्टी से इस्राइल पर 5000 से ज्यादा राकेटों से भयानक हमला किया जिसमें मानवता का कत्ल हुआ है। पूरे विश्व में फैले इस्लामिक संगठनों में हमास बेहद ताकतवर है जो इस्राइल के विरुद्ध खुलेआम युद्ध का ऐलान करता है। हालांकि यासर अराफात के वक्त में इस संगठन की उस तरह से मान्यता नहीं थी परंतु उनकी मृत्यु के बाद यह उभर कर सामने आया है। मौजूदा हमले के संदर्भ में हमास के मुताबिक, 2021 में इस्राइल ने यरूशलम में मुसलमानों की पवित्र अल अक्सा मस्जिद को जो नुकसान पहुंचाया तथा गाजा पट्टी के लोगों की घेराबंदी की, यह उसका विरोध है। दूसरी ओर, दुनिया में सबसे चुस्त-दुरुस्त सैन्य ताकत एवं मोसाद जैसी काउंटर इंटेलिजेंस एजेंसी होने के बाद भी जिस तरह से इस्राइल पर यह योजनाबद्ध हमला किया गया, उसने कई प्रश्न खड़े किए हैं। दरअसल, साल 1947 के बाद जब यहूदियों और फिलिस्तीनियों का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र में पहुंचा तो वहां पर यहूदियों की अधिक संख्या होने के कारण इसे इस्राइल और बाकी बचे बहुसंख्यकों को देने का फैसला किया गया था।

ऐतिहासिक रूप में यहां मजहब और जमीन की लड़ाई है। मिडिल ईस्ट में स्थित देश इस्राइल के दक्षिणी हिस्से में गाजा पट्टी है जिसे नेशनल कमेटी चलाती है तथा इसे संयुक्त राष्ट्र में भी मान्यता है। यह वह स्थान है जहां पर इस्लाम और ईसाई धर्म के पवित्र स्थान हैं। यहूदियों के लिए टेंपल माउंट और मुसलमानों के लिए अल हरम अल शरीफ के पवित्र स्थल अल अक्सा मस्जिद डोम ऑफ द रॉक इसी शहर में हैं। पैगंबर मोहम्मद से जुड़े होने के कारण मुसलमान भी इसे पवित्र स्थान मानते हैं। दरअसल, फिलिस्तीन और इस्राइल में यहां कब्जे को लेकर विवाद की नींव पहले विश्व युद्ध के बीच में ऑटोमन साम्राज्य की हार के साथ ही रखी गई थी। विश्वयुद्ध खत्म हो गया उस वक्त इस्राइल नाम का कोई देश नहीं था और पूरा इलाका फिलिस्तीनी क्षेत्र था। वर्ष 1917 में ब्रिटेन ने यहूदी लोगों के लिए राष्ट्रीय घर के उद्देश्य की घोषणा की गई। यह व्यापक नरसंहार के बाद एक यहूदियों के लिए अलग देश की कोशिश थी। यहूदियों के मुताबिक, यह उनके पूर्वजों का घर था, दूसरी तरफ से फिलिस्तीनी लोग इसको अपना घर मानते थे। यही वह समय था जब इस्राइल ने अपनी आजादी का ऐलान किया था।

चौदह मई, 1948 को इस्राइल राज्य की स्थापना की घोषणा की गई और अमेरिका ने इसे मान्यता दी थी। साल 1917 से 2020 तक फिलिस्तीन पर इस्राइल का कब्जा बढ़ता गया। पहले यहूदी कुल 6 फीसदी थे। साल 1950 तक यहूदी सैन्य बलों ने 75000 फिलिस्तीनियों को निष्कासित किया। फिलिस्तीन के 78 फीसदी हिस्से पर कब्जा किया गया, शेष 22 फीसदी को वेस्ट बैंक व गाजा पट्टी में विभाजित किया गया है। कुछ साल बाद फिर एक बार इस्राइली सेना ने पूरे इलाके पर कब्जा कर करीब तीन लाख फिलिस्तीनियों को दरबदर कर दिया।

इन दिनों यह विवाद दुनिया के देशों को बांट रहा है। अमेरिका और भारत ने सीधे तौर पर इस्राइल का पक्ष लिया है तथा आतंक की किसी भी घटना को उन स्थितियों में नकारा है कि यह मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। अब दुनिया के बड़े देशों के साथ इस्राइल के दोस्ताना संबंध हैं, इस्लामिक देश सऊदी अरब के साथ संबंध बन रहे हैं तो भारत ने भी बीते वर्षों से इस्राइल के साथ समझौते किए हैं। सामने आ चुका है कि पूरी दुनिया में दो धड़े हैं- एक वह जो आतंक के पक्ष में हैं और दूसरे वे जो आतंक के विरोध में खड़े हैं। हालिया हमलों व उसके प्रत्युत्तर में युद्ध के दौरान सबसे ज्यादा मानवता का खून बहा है -जमींदोज होती इमारतें, बारूद और तबाही का गुब्बार और हजारों लोगों के सड़कों पर पड़े शव। जंग में इस्राइल की महिलाओं से जिस तरह से बेहूदगी की घटनाएं सामने आयीं उससे मानवता का सिर झुकता है। संयुक्त राष्ट्र और दुनिया के कई लोगों ने युद्ध को बंद करने की संभावना पर अपनी राय जताई है। परंतु कुल मिलाकर यह बेहद भयानक परिदृश्य है जिसमें मानवता को बचाने की आवश्यकता है।

बालों की अच्छी ग्रोथ के लिए करें ये योगासन

भ्रामरी प्राणायाम

इस प्राणायाम में आपको उच्च आवाज में भ्रमर की तरह भिनभिनाने का प्रयास करना होता है, जिससे मानसिक तनाव कम होता है और सिर के चर्म में रक्त प्रवाह बढ़ता है। बाल झड़ना कम होते हैं और ग्रोथ अच्छी होती है। किसी खुले वातावरण में पद्मासन, सिद्धासन या किसी भी आरामदायक अवस्था में बैठ जाएं। आंखें बंद कर ले और चेहरे पर मुस्कान को बनाए रखें। अब अपने हाथों के दोनों अंगूठे से दोनों कानों को बंद कर ले। इसके बाद तर्जनी अंगुली को माथे पर लगाएं और बाकी बची है उंगलियों से आंखें बंद कर ले। यह क्रिया इसलिए की जाती है ताकि आपको अभ्यास करते समय बाहर का ना तो कुछ सुनाई दे और ना ही दिखाई दे। अब अपने नाक से सामान्य गति से सांस को अंदर भरें। फिर मुंह से ओम का उच्चारण ऐसे करना है। जैसे लगे की मस्तिष्क में भंवरे की गुंजन हो रही हो। इसी प्रकार इस क्रिया को 5 से 6 बार दोहराएं।

सर्वांगासन

सर्वांगासन का अभ्यास करने से पहले आराम से पीठ के बल लेट जाएं। और फिर सांस छोड़ते हुए कमर को जमीन से ऊपर उठाते हुए अपने दोनों पैरों को ऊपर उठाएं। इसके बाद शरीर को अतिरिक्त सहारा देने के लिए हाथों को अपनी पीठ के नीचे रखें। उसके बाद पैरों, कमर और पीठ को एक सीध में ले आएं। अपने पूरे शरीर को एक सीध में लाने के लिए अपने धड़ को आसमान की ओर तानें। जब आप ऐसा करेंगे तो उस समय शरीर जमीन से सीधा होगा। फिर पूरे शरीर के वजन को अपनी बाहों के सहारे कंधों से ऊपर उठाना चाहिए। 10 सेकेंड के लिए इस अवस्था में अपने शरीर को पकड़ना शुरू करें। अब धीरे-धीरे अपने पैरों को घुटनों से मोड़ें और धीरे-धीरे शरीर को शुरुआती अवस्था में लाएं। जिससे आपके सिर में ब्लड सर्कुलेशन तेजी के साथ बढ़ता है और बालों को पोषण मिलता है। ये आसन करने के बाद कुछ सेकेंड के लिए आराम करें और फिर इस योग मुद्रा को 3-4 बार करने का प्रयास करें।

उत्तानासन

इस योगासन में आपको पैरों को हिलाते हुए आगे की ओर झुकना होता है, जिससे सिर की ओर से रक्त प्रवाह बढ़ता है और बालों को मिलने वाले पोषण में सुधार होता है। इस आसन की मदद से पीठ, हिप्स और टखनों के दर्द को कम करने में मदद मिलती है। साथ ही शरीर अच्छे से स्ट्रेच भी होता है। इस योगासन की मदद से आप दिमाग को शांत कर सकते हैं और तनाव से दूर रह सकते हैं।

बालायाम

इस आसन में अपने एक हाथ के नाखून से दूसरे हाथ के नाखूनों रगड़ना होता है, इससे नाखूनों की मालिश होती है, जो बालों के स्वास्थ्य को सुधारने में एक सहायक योग प्रक्रिया है। बालायाम योग करने के फायदे में बालों की चमक को भी शामिल किया जा सकता है। नियमित रूप से बालायाम योग को करने पर बालों में चमक आ सकती है। योग रिजल्ट्स सफेद बालों पर दिखाई दे सकता है। बालों से जुड़ी समस्याओं के लिए इस योगासन को शामिल किया गया है।

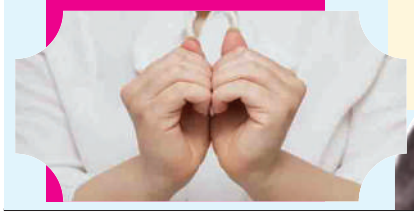

पहले के समय में बाल संबंधी जो समस्याएं उम्र के बढ़ने के साथ शुरु होती थीं, वह आज के समय में अब कम उम्र में ही होने लगी हैं। आपके रूखे बेजान बाल, उनकी लंबाई न बढ़ना या बहुत अधिक बाल झड़ना व गंजेपन की शिकायत आम होती जा रही है। आपके बालों के झड़ने के कई कारण हो सकते हैं। सामान्य रूप से व्यक्ति की आयु, जीवनशैली और आहार में पौष्टिकता की कमी बालों की सेहत के बिगड़ने का कारण होती है। इसके अलावा विटामिन सी की कमी, हार्मोनल परिवर्तन, तनाव और मानसिक दबाव, धूप और प्रदूषण के कारण भी बाल झड़ने लगते हैं और आपके बालों की ग्रोथ रुक जाती है। इस कारण कई लोगों के उम्र से पहले बालों की रंगत भी कम होने लगती है। इस स्थिति में बालों की अच्छी ग्रोथ और बालों को झड़ने से रोकने के लिए योगासन बहुत मददगार साबित हो सकते हैं, क्योंकि योग तंत्रिका तंत्र और रक्त संचालन को सुधारने में मदद कर सकता है, जिससे बालों को मिलने वाले पोषण और ऑक्सीजन सही मात्रा पहुंचता रहता है जिससे आपके बाल पूर्णतया स्वस्थ्य, घने और लम्बे काफी समय तक बने रहते हैं।

हंसना मना है

पप्पू अपनी पत्नी से-अच्छा ये बताओ 'बिदाई' के समय तुम लड़कियां इतनी रोती क्यों हो? पत्नी- 'पागल' अगर तुझे पता चले.. अपने घर से दूर ले जाकर कोई तुमसे 'बर्तन मंजवाएगा' तो तू क्या नाचेगा।

मेरे एक पड़ोसी है, जिनका नाम है 'भगवान' और उनकी लड़की का नाम है भक्ति, मम्मी बोलती है कि 'बेटा भगवान की भक्ति में मन लगाया कर' अब मम्मी को कैसे समझाऊ की भक्ति में तो मन लगाता हूं, पर भगवान नहीं मान रहे।

इस मतलबी दुनिया में, एक पान वाला ही है, जो पूछ कर चुना लगाता है!

कुछ दोस्त ऐसे हैं जो घर से बीवी की लात खाकर आते हैं और दोस्तों से कहते फिरते हैं आज तो मैं लेग पीस खाकर आया हूं।

डेट पर लड़के ने लड़की से कहा, जानू, एक बात कहना चाहता हूं! लड़की: क्या? लड़का: मेरी पहले से एक गर्लफ्रेंड है! लड़की: डरा दिया साले, मुझे लगा कि पैसा नहीं है!

पति: अरे सुनो, मुन्ना रो रहा है चुप कराओ इसे। पत्नी: मैं काम करूं या बच्चे संभालू, मैं इसे दहेज में नहीं लाई थी, खुद ही चुप करा लो। पति: फिर रोने दे मैं कौन सा इसे बारात में लेकर गया था।

कहानी | सारा जग बेईमान

बादशाह अकबर और बीरबल हमेशा की ही तरह एक दिन बैठकर अपनी प्रजा के बारे में बात कर रहे थे। बादशाह ने कहा कि बीरबल तुम्हें पता है हमारी प्रजा बेहद ईमानदार है। बीरबल ने कहा कि किसी भी राज्य में लोग पूरी तरह से ईमानदार नहीं होते हैं। सारा जग ही बेईमान है। बादशाह को बीरबल की यह बात पसंद नहीं आई। उन्होंने पूछा, बीरबल तुम ये कैसी बात कर रहे हो? बीरबल ने उत्तर दिया कि मैं एकदम सत्य कह रहा हूं। आप चाहो तो मैं अपनी बात अभी साबित कर सकता हूं। बादशाह बोले, ठीक है! जाओ तुम अपनी बात को सच साबित करके दिखाओ। बीरबल पूरी प्रजा की बेईमानी बाहर लाने के लिए तरकीब सोचने लगे। उनके मन में हुआ कि लोग खुलकर बेईमानी नहीं करते हैं, इसलिए कुछ अलग करना होगा। उन्होंने पूरे राज्य में यह एलान कर दिया कि बादशाह एक बड़ा सा भोज करना चाह रहे हैं। उसके लिए वो चाहते हैं कि पूरी जनता अपना योगदान दे। इसके लिए एक लोटा दूध पतीले में डालना होगा। इतना ही प्रजा की तरफ से काफी है। इसके लिए जगह-जगह पर बड़े-बड़े पतीले रखवा दिए गए। पतीले में लोगों ने शुद्ध दूध डालने के बजाय पानी मिला हुआ दूध डाला। किसी-किसी ने तो सिर्फ पानी ही डाल दिया। हर किसी के मन में यही होता था कि सामने वाले ने तो दूध ही डाला होगा। अगर मैं पानी या पानी मिला हुआ दूध डाल दूंगा तो क्या ही हो जाएगा। शाम तक पतीलों में दूध इकट्ठा हो गया। बीरबल अपने साथ बादशाह अकबर और कुछ रसोइयों को उन जगहों पर ले गए जहां पतीले रखे गए थे। बादशाह ने जिस भी पतीले में देखा तो दूध नहीं, सिर्फ सफेद पानी ही दिखा। रसोइयों ने भी कहा कि महाराज ये दूध नहीं है। ये सारा पानी ही है। इसमें मुश्किल से आधे से एक लोटा दूध होगा, जिसकी वजह से इसका रंग हल्का सफेद है। वरना ये पानी से ज्यादा कुछ नहीं। इन सारी चीजों को देखकर बादशाह अकबर हैरान हो गए। उनके मन में हुआ कि मैं तो सबको ईमानदार समझता था, लेकिन बीरबल की ही बात सच निकली। उन्होंने बीरबल को कहा कि तुम ठीक ही कहते थे। मुझे हकीकत समझ आ गई है। इतना कहते हुए बादशाह, बीरबल और रसोइये वापस महल आ गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बन रहे हैं। ऐसी जानकारियों को उजागर न करें जो व्यक्तिगत और गोपनीय हों। यदि नौकरी करते है तो संभल कर काम करें।

तुला: पैसों से जुड़े कुछ मामलों पर विचार करना होगा। आप की मेहनत से उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। निवेशादि सफल रहेगा। लेकिन, आज किसी से भी विवाद न करें।

वृषभ: आज का दिन आपके लिए भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि का दिन रहेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोगों व्यस्तता के बीच भी अपने प्रेमी के लिए समय निकालने में कामयाब रहेंगे।

वृश्चिक: आज का दिन सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आज ऑफिस में कोई ऐसा कार्य सौंपा जा सकता है, जिसमें आपको अपने साथियों के सहयोग की आवश्यकता होगी।

मिथुन: आज आपको नए लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। किसी भी काम को करने से पहले बड़ों की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा। बच्चे पढ़ाई के प्रति कुछ कम रूचि लेंगे।

धनु: आज आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आज आपका स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा। आज की गयी व्यापारिक यात्रा से लाभ होगा।

कर्क: रिश्तों से जुड़े कई पहलू आपके लिए खास हो सकते हैं।? व्यापार विस्तार के लिए कर्ज लेना पड़ सकता है। नौकरी में तरक्की के पूरे आसार बन रहे हैं।

मकर: हंसी-मज़ाक में कही गयी बातों को लेकर किसी पर शक़ करने से बचें। दोस्त शाम के लिए कोई बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन खुशनुमा कर देंगे।

सिंह: आज का दिन आपके कार्यक्षेत्र में अनुकूलता लेकर आएगा। आज आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन कर सकते हैं, जो आपके लिए लाभदायक रहेगा।

कुम्भ: आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आप अपने लंबे समय से रुके हुए कार्यों की ओर ध्यान देंगे, जिनमें आपको कुछ कार्यों की वजह से नुकसान भी हो सकता है।

कन्या: आज कारोबार में लाभ होगा। शैक्षणिक कार्यों में आपका मन लगेगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। घरेलू काम को निपटाने में आप सफल रहेंगे।

मीन: आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। करियर में आपको सफलता मिलेगी। आज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए। समय से काम पूरा कर लेना बेहतर रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

इजरायल में आखिरी 36 घंटे मेरी जिंदगी के चुनौतीपूर्ण थे : नुसरत

इजरायल और हमास के बीच चल रहे वॉर पर लगातार अपडेट्स आ रही हैं, जो दिल दहला देने के लिए काफी हैं। भारत के लिए ये युद्ध उस समय मुसीबत बन गया जब बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरुचा के वहां फंसे होने की खबर सामने आई। नुसरत अपनी फिल्म अकेली की स्क्रीनिंग के लिए इजरायल में हाइफा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लेने के लिए पहुंची थीं। इसी दौरान हमास आतंकी संगठन ने वहां हमला कर दिया और नुसरत भी इजरायल में फंस गईं। हालांकि, अब वह अपने देश लौट आई हैं। इजरायल में हुए हमले के बाद नुसरत से कनेक्शन भी टूट गया था। भारत वापस के आने के बाद भी एक्ट्रेस एयरपोर्ट पर काफी सदमे में नजर आईं। अब आखिरकार नुसरत ने इस हमले पर और इजरायल के खौफनाक मंजर के बारे में बताते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है। अपने लंबे चौड़े पोस्ट में नुसरत ने लिखा, भावनाओं की एक रोलरकोस्टर सवारी, जिसके आखिरी 36 घंटे मेरी जिंदगी के सबसे चुनौतीपूर्ण और कभी न भूल पाने वाले रहेंगे। नुसरत ने आगे लिखा, मुझे, मेरे निर्माता और स्टाइलिस्ट को 3 अक्टूबर को हाइफा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हमारी फिल्म अकेली की स्क्रीनिंग के लिए इजरायल भेजा गया था। अपने इजरायली को स्टार्स के साथ वहां की सारी जगह घूमने, डिनर करने और सभी चीजों का आनंद लेने के बाद 6 अक्टूबर के बाद हम वहां से निकलने के लिए बिल्कुल तैयार थे, लेकिन अगली पिछली शाम के जश्न से बिल्कुल अलग थी। हमारी नींद बम के धमाकों और सायरन की आवाज से खुली। नुसरत ने आगे कहा, हमें होटल के बेसमेंट में एक शेलटर में भेज दिया गया। यहां कभी न खत्म होने वाले इंतजार के बाद पता चला कि इजरायल पर हमला हो गया है। हम में से कोई भी इस तरह की खबर के लिए तैयार नहीं था। नुसरत ने इस पोस्ट के अलावा एक वीडियो भी पोस्ट किया है, जिसमें वह इजरायल में बिताए अपने समय के बारे में बात कर रही हैं। यहां उन्होंने भारत की सरकार की तारीफ करते हुए उनका शुक्रिया भी अदा किया है। वहीं, एक्ट्रेस इजरायल में फंसे लोगों के लिए प्रार्थना भी की है।

बजरंग बली के अवतार में दर्शन देंगे सनी देओल

रामायण में हनुमान के रूप में कास्ट करने पर है विचार

गदर-2 सनी देओल के करियर की अब तक की सबसे बड़ी सुपरहिट फिल्म है। इस फिल्म में 22 साल बाद लोगों की पसंदीदा तारा सिंह और सकीना की जोड़ी फिल्मी पर्दे पर देखने को मिली थी अब खबरें आ रहीं हैं कि सनी देओल बजरंगबली के अवतार में फैंस को चौंकाने वाले हैं । नितेश तिवारी के डरेक्शन में बन रही रामयण को मधु मंटेना, नमित मल्होत्रा और अल्लू अरविंद मिल कर प्रोड्यूस कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि चारों प्रोड्यूसर्स न केवल सनी को रामायण में हनुमान के रूप में कास्ट करने के विचार पर हैं, बल्कि उनके किरदार पर एक स्पिन ऑफ भी बनाएंगे। रामायण भगवान हनुमान के जीवन का एक छोटा सा हिस्सा है, और कहानी के कई सारे वर्जन और फेज हैं। नितेश भगवान हनुमान पर एक स्टैंडअलोन फिल्म के साथ इसका पता लगाना चाहते हैं । मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि मेकर्स का मानना है, हनुमान ताकत के प्रतीक होते हैं और बॉलीवुड इंडस्ट्री में बजरंगबली जैसे ताकतवर किरदार निभाने के लिए सनी देओल से बेहतर और कोई नहीं है। एक्टर ने भी नितेश तिवारी की रामायण का हिस्से बनने की इच्छा जताई है और वह भगवान हनुमान की भूमिका निभाने के लिए काफी एक्साइटेड भी हैं। हालांकि अभी इस बात पर कोई ऑफिसियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है।

हाल ही में माता सीता के रोल के लिए आलिया भट्ट का नाम सामने आया था। हालांकि, बाद में साई पल्लवी का नाम इस रोल के लिए फाइनल बताया गया था। मेकर्स की तरफ से कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी नहीं किया गया है कि लीड कास्ट में कौन होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म की शूटिंग साल 2024 के फरवरी के महीने के आसपास शुरु होगी। यश भी इस फिल्म का हिस्सा बनेंगे वह जुलाई 2024 में शूटिंग में शामिल होंगे। फिल्म के 2025 तक बड़े पर्दे पर रिलीज होने की उम्मीद की जा रही है।

कल ओटीटी पर रिलीज होगी ब्लाकबस्टर फिल्म मार्क एंटनी

साउथ सिनेमा के मशहूर स्टार विशाल ने हाल ही में सेंसर बोर्ड पर बड़ा आरोप लगाकर हर किसी को हैरान कर दिया। विशाल ने दावा किया कि मार्क एंटनी के हिंदी वर्जन के सर्टिफिकेट और स्क्रीनिंग के लिए मुंबई सेंसर बोर्ड के दफ्तर के अधिकारियों ने उनसे रिश्वत में मोटी रकम वसूली। वहीं मार्क एंटनी ने बॉक्स ऑफिस पर खूब गदर काटा था। 100 करोड़ के क्लब में ये फिल्म शामिल भी हुई। अब आप इस ब्लॉकबस्टर फिल्म की ओटीटी पर भी देख सकते है जिसकी रिलीज डेट सामने आ चुकी है। एक्टर विशाल की मार्क एंटनी रितु वर्मा, सुनील और एसजे सूर्या स्टारर मार्क एंटनी सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर इसी महीने दस्तक देगी। अधिक रविचंद्रन द्वारा डायरेक्ट यह फिल्म इसी महीने 13 अक्टूबर 2023 को ओटीटी प्लेटफार्म प्राइम विडियो पर रिलीज होने जा रही है।

इस फिल्म की कहानी के बारे में बात करते तो यह फिल्म 1990 के दशक पर आधारित साइंस फिक्शन फिल्म मार्क एंटनी भविष्य की तकनीक और गैंगस्टरों की हिंसक दुनिया की झलक पेशक करती है। एंटनी (विशाल) के बेटे मार्क (विशाल) को एक अद्वितीय टेलीफोन तक पहुंच मिलती है जो उसे अपने अतीत के लोगों के साथ बात करने का मौका देता है। अपने माता-पिता की मौत के रहस्य से घिरा हुआ, मार्क डिवाइस का उपयोग करने और उन सवालों के जवाब पाने के लिए हर कोशिश करता है जो उसे इसका पता लगाने में मदद कर सकते हैं।

अजब-गजब | कोलंबिया का वो भूतिया शहर

कभी इस शहर में मारे गए थे 20 हजार लोग, नींद में ही निकल गई थी जान

1985 में कोलंबिया में एक विनाशकारी ज्वालामुखी विस्फोट में 20 हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई थी, जबकि लोग सो रहे थे, क्योंकि आधी रात को लावा, पानी और मिट्टी के कीचड़ से बनी बाढ़ आ गई और उसने रास्ते में आने वाली हर चीज को अपनी चपेट में ले लिया। इस नेचुरल डिजास्टर को अरमेरो ट्रेजडी के नाम से जाना जाता है। यह 1500 के बाद से दर्ज की गई चौथी सबसे घातक ज्वालामुखी घटना मानी जाती है।

कब हुई थे घटना?: द सन की रिपोर्ट के अनुसार, 13 नवंबर 1985 को कोलंबिया के टोलिमा में नेवाडो डेल रुइज ज्वालामुखी 69 सालों तक निष्क्रिय रहने के बाद अचानक से फट गया। जिसके कारण इलाके में भयंकर तबाह हुई। पिघले हुए लावा की बौछारों से पहाड़ से ग्लेशियर पिघल गया था। इसके बाद वहां तेजी से भूस्खलन हुआ। लावा, पानी और मिट्टी के कीचड़ तेज रफ्तार के साथ पूरे अरमेरो शहर में फैल गया था, जिसकी चपेट में आने से लगभग 29,000 निवासियों में से 20,000 से अधिक लोग मारे गए थे।

विस्फोट के बारह घंटे बाद जब राहतकर्मी कस्बे में पहुंचे। तब तक गंभीर रूप से घायल कई पीड़ित पहले ही मर चुके थे। पूरा शहर लाशों, गिरे हुए पेड़ों और कीचड़ से अटा पड़ा था। शहर का 85 प्रतिशत हिस्सा कीचड़ में डूबा हुआ था। जीवित बचे लोगों ने बताया कि लोग कीचड़ में बुरी तरह से फंसे हुए थे। उनके काफी प्रयासों के बावजूद वे खुद को बचा नहीं पाए और फिर मारे गए। विस्फोट के दौरान कुल 13 शहर और गांव पूरी तरह से नष्ट हो गए।

इस आपदा के बाद अरमेरो शहर फिर कभी नहीं बसाया जा सका। हादसे के बाद जिंदा बचे हुए लोगों को गुआयाबल और लेरिडा शहरों में बसा दिया गया, जिससे अरमेरो एक एक भूतिया शहर बन गया। अरमेरो की हाल की छवियों में झाड़ियों से उगी नष्ट हो चुकी इमारतें और वॉलपेंटिग्स से ढकी काली दीवारें दिखाई देती हैं। आज पूरा शहर वीरान पड़ा हुआ है। जर्जर इमारतें हर तरफ दिख जाएंगी, जिनकी निचली मंजिलें जमीन के नीचे दबी हुई हैं। उजाड़ शहर का पता लगाने वालों को केवल ऊपरी मंजिलें ही दिखाई देती हैं।

क्या होता है पटका हेलमेट, शायद ही आपको पता होंगी इसकी खूबियां

सोशल साइट कोरा पर अक्सर लोग कुछ ऐसे सवाल पूछते हैं, जिनका जवाब बहुत कम लोगों को ही पता होता है। हालांकि, उन सभी सवालों के जवाब इस प्लेटफॉर्म पर जुड़े यूजर्स ही देते हैं। यहां ऐसा ही एक सवाल पूछा गया है कि 'पटका हेलमेट क्या होता है, क्या इन्हें भारतीय सेना इस्तेमाल करती है?'। इस सवाल का जवाब कोरा यूजर संभव ने दिया है। उनके जवाब से पता चलता है कि इस हेलमेट को भारतीय सैनिक क्यों पहनते हैं और यह उनके लिए क्यों इतना खास होता है। साथ ही संभव ने इस हेलमेट की कई खूबियां भी बताई हैं। संभव कोरा पर लिखते हैं कि 'कश्मीर में तैनात भारतीय सैनिक लंबे समय से इस हेलमेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह टोपी की तरह दिखता है, जिसे पटका हेलमेट कहा जाता है। इसे जवानों के लिए काफी सुरक्षित माना जाता है। इससे उनका सिर सुरक्षित रहता है। हेडशॉट यानी सिर पर गोली लगने की सूरत में भी यह जवानों को बचाता है।'

सुरक्षा की दृष्टि से यह हेलमेट काफी कारगर होता है, क्योंकि यह लगभग सभी तरह की गोलियों को झेल सकता है। ज्यादातर हेलमेट 7.62mm और 5.56mm राउंड की गोलियों के हमले को झेलने में असफल होते हैं। वहीं, संभव के मुताबिक, 'पटका हेलमेट 9mm की बुलेट को झेल सकते हैं। यहां तक कि स्पेशल एडजस्टमेंट के साथ यह AK-47 की गोलियों से भी जवानों की सुरक्षा कर सकते हैं।' पटका हेलमेट पहनने में काफी आरामदायक होता है। इसे पहनने के लंबे समय के बाद भी जवान थकान महसूस नहीं कर सकते हैं। ठंड के मौसम में यह हेलमेट काफी उपयोगी होता है, क्योंकि इससे गर्मी का एहसास होता है। संभव लिखते हैं कि 'पटका हेलमेट के अंदर का भाग काफी नरम और मुलायम होता है, इस कारण यह पहनने में आरामदायक होता है।' पटका हेलमेट इसलिए भी खास हो जाता है, क्योंकि इसको देश में ही बनाया जाता है। संभव ने बताया, 'इसको डीआरडीओ द्वारा डिजाइन और बनाया गया है।' इन्हीं लाजवाब खूबियों के कारण पटका हेलमेट लंबे समय से भारतीय जवानों की पहली पसंद रहा है। हालांकि, अब भारतीय सैनिक अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी से लैस अन्य तरह के हेलमेट का भी इस्तेमाल करते हैं।

भाजपा के चुनावी मंच 'मनमुटाव के मंच' : कमलनाथ

» बीजेपी पर कमलनाथ का हमला बोले- बुझे हुए मंत्री-सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और भाजपा दोनों का ही एक दूसरे पर हमला जारी है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने भाजपा नेताओं पर निशाना साधा है। भाजपा के चुनावी मंच 'मनमुटाव के मंच' बनकर रह गये हैं। भाजपा नेताओं की खोखली बातें शब्दों की बुनी हुई बड़ी चादर हैं जिसे वो अपनी अंदरूनी टकराव के ऊपर डालकर, आपसी दरार को ढकने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन उनके भावहीन चेहरे सारी हक़ीक़त बयान कर दे रहे हैं।

उन्होंने बीजेपी नेताओं के चेहरों को भावहीन बताया है। उन्होंने सोशल सोशल नेटवर्किंग साइट पर पोस्ट किया कि पराजय पराया बना देती है', अब ये बात भाजपा पर पूरी तरह लागू हो रही है। नाथ ने ट्वीट किया कि भाजपा के बुझे हुए मंत्री-सांसद, थके-हारे विधायक, विलुप्त से हो चुके पदाधिकारी व सदस्य नाउम्मीदगी के एक ऐसे दौर से गुज़र रहे हैं, जहाँ अब उन्हें आशा की कोई भी किरण नज़र नहीं आ रही है। भाजपाइयों के बीच सिर्फ़ उनका स्वार्थ ही सक्रिय दिख रहा है, बाक़ी नीति से लेकर रणनीति तक सब कुछ निष्क्रिय है। भाजपाई एक मंच पर होकर भी एक नहीं हैं। 'प्रपंच के मंच' सजाकर भाजपा यही नहीं आगामी सभी चुनाव भी हारेगी।

हिंदु टेरर बताने वालों को छापे झूठे ही लगेंगे : आशीष

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले ही बयानबाजी से सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के पीएफआई को लेकर दिए बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि जिस पीएफआई ने देश में आतंकी गतिविधियां फैलाई उससे कांग्रेस की हाथ मिलाई पर जनता धुलाई करेगी। यह कांग्रेस का आतंकप्रेमी ईकोसिस्टम है, जो विदेश में हमास से हमदर्दी और देश में पीएफआई से प्रेम दिखा रहा है। अग्रवाल ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के बयान का वीडियो शेयर कर लिखा कि यह कौन सी नई आतंकी जांच की एजेंसी दिग्विजय सिंह को मिल गई है। इन्हें ऐसा इसलिए लगेगा क्योंकि जिनके सुर सदैव पाकिस्तान के सुर से मिलते रहे हो, जिनके मन में आतंकवादियों के प्रति अथाह प्रेम झलकता हो, जो 26/11 मुंबई हमले को हिंदू आतंकवाद से जोड़कर ए पुस्तक का विमोचन करते हो, जो आतंकवादियों को मासूम बताने की मंशा रखते हो, जो आतंकवादियों को प्रेरित करने वाले जाकिर नाइक के साथ मंच साझा कर गलबहियां करते हो, जो बाटला हाउस एनकाउंटर में आतंकियों के एनकाउंटर को फर्जी बताते हो, जो हिंदुओं को आतंकवादी घोषित करने में पुरजोर ताकत लगाते रहे हो, उन्हें पीएफआई पर छापे झूठे ही लगेंगे।

आईटी और सीबीआई बनाते हैं झूठ : दिग्विजय सिंह

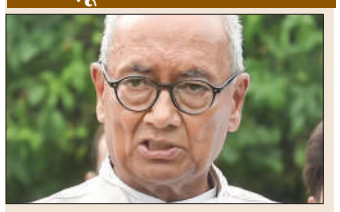

उज्जैन। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि ईडी और सीबीआई केंद्र सरकार के ऐसे राजनीतिक हथियार हैं जिससे इन्होंने अनेक सरकारें गिरा दीं। जनता प्रदेशों में सरकारों को चुनती है और ईडी, आईटी और सीबीआई झूठ कैसे बनाते हैं जिससे अनेक प्रदेशों मे सरकार गिरा दी जाती हैं। दिग्विजय ने कहा कि मैं इस बात को कहना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि अजीत पवार ने करोड़ों का घोटाला किया है, लेकिन तीन दिन बाद वे उन्हीं की सरकार में उपमुख्यमंत्री बन जाते हैं आखिर यह क्या है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर हमें कोई भरोसा नहीं है। भारतीय जनता पार्टी काला धन वापस लाने के नाम पर केंद्र में आई थी, लेकिन उनके शासनकाल में काला धन तो विदेशों से भारत नहीं आया उल्टा उन्हीं के लोग देश का हजारों करोड़ों रुपया लेकर विदेश में चले गए।

अमानतुल्लाह पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिल्ली। आम आदमी पार्टी के एक और विधायक जेल जा सकते हैं। मनीष सिसोदिया और संजय सिंह के बाद अब ईडी विधायक अमानतुल्ला खान के खिलाफ जांच कर रही है। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि खान ने दिल्ली वक्फ बोर्ड में अवैध भर्ती से पैसा कमाया है। इस भर्ती घोटाले में जमकर पैसा बनाया है। इतना ही नहीं इस पैसे का निवेश किया। यह अपने सहयोगियों के नाम पर अचल संपत्ति खरीदने का आरोप है।

वक्फ में हुई अवैध भर्ती में लग रहे आरोप

बीते दिन ईडी ने विधायक और उनसे जुड़े व्यक्तियों के 13 स्थानों पर छापेमारी की थी। ईडी ने दावा किया था कि यह तलाशी दिल्ली वक्फ बोर्ड में कर्मचारियों की अवैध भर्ती और 2018-2022 के दौरान अमानतुल्लाह खान द्वारा बोर्ड की अध्यक्षता के दौरान वक्फ बोर्ड की संपत्तियों को गलत तरीके से पट्टे पर देकर अवैध व्यक्तिगत लाभ से संबंधित मामले में की गई। आगे कहा कि सीबीआई की एक एफआईआर और दिल्ली पुलिस की तीन शिकायतें आम आदमी पार्टी विधायक के खिलाफ कार्रवाई का आधार बनीं। ईडी ने कहा कि अमानतुल्लाह खान ने उक्त आपराधिक गतिविधियों से नकद में बड़ी रकम अर्जित की और इस नकद राशि को अपने सहयोगियों के नाम पर दिल्ली में विभिन्न जगहों पर अचल संपत्तियों को खरीदा है।

कलांजलि में छात्रों के प्रदर्शन ने मोहा मन

» महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय में हुआ कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्र सरकार के एक भारत श्रेष्ठ भारत मिशन के तत्वावधान में महाराजा बिजली राजकीय महाविद्यालय आशियाना लखनऊ में कलांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश के दर्जनों महाविद्यालयों के छात्र-छात्रों ने प्रतिभाग किया। उक्त कार्यक्रम का उदघाटन देश के अग्रणी इतिहासकार एवं लेखक रवि भट्ट के द्वारा किया गया, जिन्होंने इस कार्यक्रम के माध्यम से देश की स्वर्णिम संस्कृति को जनमानस के समक्ष प्रस्तुत कर छात्र छात्राओं को जागरूक किये जाने के इस सार्थक प्रयास की प्रशंसा की।

कार्यक्रम की नोडल अधिकारी एवं महाविद्यालय की समारोहिका डॉ सनोबर हैदर ने बताया कि महाविद्यालय में हर वर्ष एक भारत श्रेष्ठ भारत के सम्बन्ध में कार्यक्रमों का आयोजन होता है जिसका उद्देश्य सामजिक समरसता एवं अपनी सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण रखना है।

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ सुमन गुप्ता ने अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये महाविद्यालय में आये प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कर उत्साहवर्धन किया। डॉ. राघवेंद्र मिश्र ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रोफेसर रश्मि यादव , डॉ. अजीत कुमार, डॉ. सरिता सिंह, डॉ. मधुमिता गुप्ता, डॉ. श्वेता मिश्रा एवं अन्य शिक्षक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

भाजपा नेता शहनवाज को कोर्ट का झटका

दुष्कर्म व धमकी के आरोप मामले में भेजा समन, 20 अक्टूबर को होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिल्ली। अदालत ने दुष्कर्म के एक मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सैयद शाहनवाज हुसैन को समन जारी कर तलब किया है। राउज एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट वैभव मेहता ने दिल्ली पुलिस द्वारा दायर क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार करने से इनकार कर दिया, जिसमें कहा गया था कि हुसैन के खिलाफ कोई मामला नहीं बनता।

अदालत ने पीड़िता की ओर से दायर विरोध याचिका को स्वीकार कर लिया। जिसमें उसने दावा किया था कि पुलिस ने शुरू से ही इस मामले में नकारात्मक रुख अपनाया है और प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने में उन्हें पांच साल लग गए। उन्होंने कहा कि पुलिस जानबूझकर हुसैन के खिलाफ सबूत हासिल करने में विफल रही। अदालत ने आईपीसी की धारा 376/328/506 के तहत अपराध का संज्ञान लिया और हुसैन को तलब किया। उन्हें 20 अक्टूबर को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया गया है। आरोप है कि अप्रैल 2018 में शाहनवाज ने शिकायतकर्ता को एक फार्म हाउस पर ले जाकर नशीला पदार्थ पिलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। उसने कथित तौर पर इस कृत्य का वीडियो भी बनाया और घटना का खुलासा करने पर उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। शिकायतकर्ता का कहना था कि मामले में एफआईआर दिल्ली हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद ही दर्ज की गई है। मामले पर विचार करने के बाद अदालत ने माना कि शिकायतकर्ता के मामले को शुरुआत में ही खारिज करने का कोई कारण नहीं है। कोर्ट ने कहा जब तक जांच अधिकारी यह स्थापित करने के लिए ऐसी सामग्री रिकॉर्ड पर नहीं लाता कि उसके साथ दुष्कर्म होने की कोई संभावना नहीं है, इस अदालत के पास उसके मामले को शुरू में ही खारिज करने का कोई कारण नहीं है। अदालत ने कहा कि शिकायतकर्ता का बयान विश्वसनीय है या नहीं, इसका पता ट्रायल कोर्ट के समक्ष जांच के बाद ही लगाया जा सकता है। उन्होंने शिकायतकर्ता के आरोपों की सत्यता पर सवाल उठाने वाली अभियोजन पक्ष की दलीलों को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि शिकायतकर्ता के बयान में मामूली विरोधाभास उसकी बात पर पूरी तरह से अविश्वास करने का आधार नहीं हो सकता।

रोहित के कमाल से भारत की दूसरी जीत

» विश्वकप- अफगानिस्तान टीम को 8 विकेट से रौंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वर्ल्ड कप 2023 में भारत ने अपनी दूसरी जीत हासिल कर ली है। भारत ने अफगानिस्तान को 8 विकेट से मात दी है। इससे पहले भारत ने अपने पहले मुकाबले में 5 बार की चैंपियंस टीम ऑस्ट्रेलिया को 65 विकेट से मात दी थी। वहीं दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए भारत बनाम अफगानिस्तान मुकाबले में अफगान टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 272 रन बनाए। जिसके जवाब में भारत ने महज 2 विकेट के नुकसान पर 35 ओवर में टारगेट को चेज कर लिया।

इस दौरान भारत की तरफ से कप्तान

रोहित शर्मा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 16 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 131 रनों की पारी खेली। मैच के बाद रोहित शर्मा को मैन ऑफ द मैच से नवाजा गया। भारत को पहला झटका ईशान के रूप में 19वें ओवर में लगा। उन्हें राशिद खान ने इब्राहिम जादरान के हाथों कैच आउट कराया।

वहीं राशिद ने 26वें ओवर में रोहित को बोल्ड किया। रोहित ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 49 रन की पार्टनरशिप पूरी की। इसके बाद कोहली और श्रेयस अय्यर ने 68 रन की अटूटू साझेदारी की। कोहली 56 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 55 रन बनाकर नाबाद रहे। अय्यर ने भी 23 गेंदों में 25 रन बनाए। वहीं अफगानिस्तान टीम की ओर से कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने सबसे ज्यादा 80 रनों की पारी खेली। बता दें कि, अफगान टीम की तरफ से रहमनुल्लाह और इब्राहि ने बेहतरीन शुरुआत दिलाई। लेकिन सातवें ओवर में बुमराह ने इस साझेदारी को तोड़ते हुए इब्राहिम जादरान (22) को पवेलियन भेज दिया। इसके बाद हार्दिक पांड्या ने रहमनुल्लाह गुरबाज को आउट किया। गुरबाज ने इस दौरान 28 गेंदों में 21 रन बनाए।

शार्दुल ठाकुर ने रहमत शाह को एलबीडब्ल्यू किया। हशमतुल्लाह शाहिदी और अजमतुल्ला उमरजई के बीच चौथे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी जरूर बनी। उमरजई 69 गेंदों में 62 रन बनाकर आउट हुए। जबकि हशमतुल्लाह शाहिद को कुलदीप यादव ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। भारत की तरफ से सबसे ज्यादा 4 विकेट जसप्रीत बुमराह ने छटके। हार्दिक पांड्या ने 43 रन देकर दो विकेट चटकाए। तो शार्दुल ठाकुर और कुलदीप यादव ने एक-एक विकेट लिया।

बिहार में रेल दुर्घटना पर गरमाई सियासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बक्सर में हुए ट्रेन हादसे पर सियासत शुरू हो गई है। इस हादसे के बाद मोदी सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। बिहार के सीएम नीतिश कुमार के इस बयान पर भी भाजपा ने कड़ी आपत्ति की जिसमे उन्होंने कहा था कि मेरा काम नहीं है रेल का.. खैरात ने बांटे।

बिहार के मुख्यमंत्री के बयान पर दुख : गिरिराज

नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस ट्रेन दुर्घटना पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, रेलवे ने तत्परता दिखाई है और स्थानीय लोगों ने पूरी मदद की है। रेलवे ने सभी यात्रियों को गंतव्य स्थान के लिए रवाना कर दिया है। जो घायल हैं उनका इलाज जारी है और उन्हें 50 हजार रुपए दिए जा चुके हैं। 4 में से 2 मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए दिए गए हैं और बाकी 2 के परिजन जब आएंगे तो उन्हें भी राशि दे दी जाएगी। मुझे बिहार के मुख्यमंत्री पर दुख हुआ कि उन्होंने कहा कि ये मेरा काम नहीं है रेल का है... मैं उन्हें कहूंगा कि खैरात ना बांटे

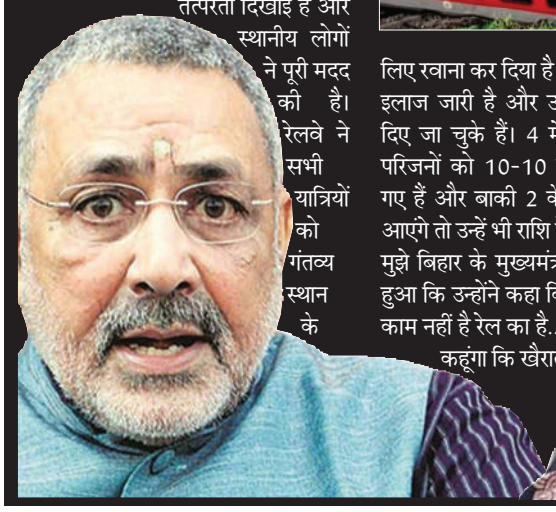

नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस ट्रेन पटरी से उतरी, चार की मौत

भाजपा व जदयू में वार-पलटवार

सुरक्षा को दरकिनार कर रही रेलवे : प्रियंका

शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, ओडिशा में तीन ट्रेनों की भिड़ंत हुई थी जिसमें 300 से अधिक लोगों की जानें गईं, फिर से ट्रेन बेपटरी हुई हैं... इस मामले की जांच होनी चाहिए। अब तक हमें यह नहीं पता है कि ओडिशा ट्रेन हादसा किन कारणों से हुआ... एक ओर हम रोज वंदे भारत एक्सप्रेस को लॉन्च कर रहे हैं और दूसरी ओर हम सुरक्षा को दरकिनार कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने शोक जताया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शोक जताते हुए कहा, नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस के कुछ डिब्बों के पटरी से उतरने के कारण लोगों की मौत से दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदनाएं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। अधिकारी हरसंभव सहायता प्रदान कर रहे हैं

उच्च स्तरीय जांच के आदेश

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घटना पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि अपूरणीय क्षति के लिए गहरी संवेदनाएँ। पटरी से उतरने का मूल कारण ढूंढेंगे। पूर्व मध्य रेलवे (ईसीआर) के मुख्य पीआरओ वीरेंद्र कुमार ने कहा कि सुरक्षा आयुक्त (रेलवे) दुर्घटना की जांच करेंगे। यह पूर्वी सर्कल, कोलकाता द्वारा किया जाएगा।

हम सभी की करेंगे मदद : नीतीश कुमार

नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस ट्रेन दुर्घटना पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, जैसे ही घटना की जानकारी मिली वहां बचाव कार्य शुरू हो गया। हम सभी की सहायता करेंगे। मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री को अपना कार्यकाल याद आ गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि जब हम रेल मंत्री थे तो उन्होंने रेल हादसों को रोकने के लिए कई तरह के कार्य किए थे. उससे घटनाएं कम हो गई थीं. उन्होंने कहा कि रेल मंत्री को इस पर ध्यान देना चाहिए ताकि इस तरह की घटनाएं रोकी जा सकें। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रेल हादसे पर दुख व्यक्त किया। सीएम नीतीश ने रेल प्रशासन पर ही सवाल खड़े कर दिए।

हादसे पर अरविंद केजरीवाल ने भी केंद्र को दी नसीहत

बक्सर में हुए ट्रेन हादसे को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार को सतर्क रहने की हिदायत दी। कहा, बिहार के बक्सर में हुआ ट्रेन हादसा बेहद दुखद है। इस दुर्घटना में जिन परिवारों ने अपनों को खो दिया उन सभी परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं. ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि सभी घायल जल्द स्वस्थ होकर अपने परिजनों के बीच लौटें. ऐसे ट्रेन हादसों को रोकने के लिए केंद्र सरकार को सतर्क होना होगा, बार-बार ऐसे बड़े हादसे होना चिंताजनक है।

फोटो : 4पीएम

धरना 69000 शिक्षक भर्ती उत्तर कुंजी अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर संदीप सिंह के आवास पर किया घेराव।

हिंसा भड़काने वाले वीडियो-तस्वीरों को फैलाने वाले पर होगी कड़ी कार्रवाई : वीरेन सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर में पांच महीने से अधिक समय से हिंसा जारी है। इस बीच, हिंसाओं से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं। पहले महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड कराए जाने फिर दो मैतेई युवकों को गोली मारने की वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ।

अब राज्य सरकार ने हिंसा को भड़काने वाली वीडियो को लेकर सख्ती की है। उन्होंने राज्य में हिंसा और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वाले वीडियो को वायरल होने से रोकने के लिए आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसी वीडियो को जो भी बढ़ावा देगा उस पर मामला दर्ज किया जाएगा। बता दें, यह आदेश सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर लगातार वीडियो और तस्वीरों के वायरल होने के बाद आया है।

मानवाधिकर आयोग के समक्ष तलब हुए पुलिस अधिकारी

राष्ट्रीय जनाधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने की थी शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मनावाधिकर आयोग ने लखनऊ के आला पुलिस अधिकारियों को तलब किया वे अधिकारी आयोग के सामने उपस्थित हुए। इन पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रीय जनाधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर द्वारा की गई शिकायत पर आयोग ने तलब किया था।

गौरतलब हो कि आयोग द्वारा 15.09.2023 को आदेश पारित किया गया था। आयोग के उपरोक्त आदेश के अनुपालन में चिरंजीव नाथ सिन्हा, अपर पुलिस उपायुक्त, लखनऊ पश्चिम क्षेत्र, लखनऊ, श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव, एएसपी एस.आईटी.डी.जी.पी. मुख्यालय, लखनऊ, केके तिवारी। निरीक्षक थाना चौक, लखनऊ एवं शिकायतकर्ता अमिताभ ठाकुर आज आयोग के समक्ष उपस्थित हुए। धनन्जय सिंह एसआई , गोमती नगर, लखनऊ उपस्थित नहीं रहे। हालांकि उपरोक्त सभी पुलिस अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे। सभी ने आयो से 2 दिन का समय दिये जाने हेतु प्रार्थना प्रस्तुम की। मामले की रिपोर्ट को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें अतिरिक्त समय दिया। आयोग ने अमिताभ ठाकुर की प्रशंसा की।

'देवभूमि के मंदिर आस्था ही नहीं आर्थिकी का भी केंद्र'

पीएम मोदी ने पार्वती कुंड में की पूजा-अर्चना, करोड़ों की देंगे सौगात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उत्तराखंड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज उत्तराखंड दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिथौरागढ़ के पार्वती कुंड में पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि देवभूमि के मंदिर आस्था ही नहीं आर्थिकी का भी केंद्र हैं। इन मंदिरों से हजारों लोगों की आर्थिकी प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से जुड़ी है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सभी मंदिरों को एक सर्किट के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को आदि कैलाश और आसपास के क्षेत्र के बारे में जानकारी दी।

प्रधानमंत्री के भ्रमण से चीन सीमा पर तैनात सेना के जवानों के साथ ही सीमा पर बसे गांव कुटी, नाबि, रोंगकांग, गुंजी, नपल्च्यू, गर्व्यांग, बूंदी के ग्रामीणों में गजब उत्साह देखने को मिला। इसके बाद पीएम मोदी ने गुंजी में पहाड़ी समाज के स्टाल में पारंपरिक वस्तुएं और उत्पाद देखे। साथ ही पारंपरिक वाद्य यंत्र ढोल भी बजाया। लोगों का हाथ हिलाकर स्वीकार अभिवादन किया। पीएम पिथौरागढ़ में लगभग 4,200 करोड़ रुपए की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे। आदि कैलाश के दर्शन करने के बाद पीएम मोदी ज्योलिंगकांग हैलीपेड से गुंजी के लिए रवाना हुए। प्रधानमंत्री मोदी आदि कैलाश की यात्रा करने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री भी बन गए है। तीन देशों की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से लगी इस भूमि से प्रधानमंत्री ने पूरे विश्व को अध्यात्म और वैश्विक क्षेत्र में उभरती भारत की शक्ति का संदेश भी दिया। प्रधानमंत्री के भ्रमण से आदि कैलाश क्षेत्र में आध्यात्मिक पर्यटन की संभावनाएं बढ़ गई है।

बीआरओ, आईटीबीपी और सेना के अधिकारियों से मिले पीएम

गुंजी में रं समाज के स्टाल में पारंपरिक वस्तुएं और उत्पाद देखी। पीएम मोदी ने बीआरओ, आईटीबीपी और सेना के अधिकारियों से मुलाकात की। साथ ही जवानों का हौसला बढ़ाया। पीएम मोदी ने कार्यक्रम में पहुंचे रं समाज के बच्चों से भी मिले। लगभग 10:45 बजे पीएम मोदी हेलीकॉप्टर से जागेश्वर के लिए रवाना हो गए।

पारंपरिक संगीत वाद्ययंत्र पर हाथ आजमाया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुंजी गांव में उत्तराखंड के पारंपरिक संगीत वाद्ययंत्र पर हाथ आजमाया। पीएम मोदी स्थानीय कलाकारों, भारतीय सेना, आईटीबीपी और बीआरओ कर्मियों के साथ भी बातचीत की।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।